छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मई-जून 2019 ■ वर्ष-16

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मार्च-अप्रैल 2019 ■ वर्ष-16

संरक्षक

श्री शैलेन्द्र कुमार शुक्ला
अध्यक्ष

श्री मो. कैसर अब्दुलहक (IAS)
प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी)

श्रीमती तृप्ति सिन्हा
प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन कंपनी)

श्री के रामचंद्र मूर्ति
प्रबंध निदेशक (जनरेशन कंपनी)

संपादक : संकल्प
विजय कुमार मिश्रा
अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कं. मर्या., इंगनिया, रायपुर, छत्तीसगढ़
e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	अप्रैल 2019
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	3280 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	3424.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	2064.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	118 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	12300 सर्किट कि.मी.
केपेसिटर स्थापित क्षमता	94 एमव्हीएआर	1085 एमव्हीएआर
33/11 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	1248 नग
33 केव्ही लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	22088 स. कि.मी.
11/04 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	159742 नग
11 केव्ही लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	111773 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	190414 कि.मी.
विद्युतीकृत मजराटोलों की संख्या	10375	37351
विद्युतीकृत पंपों की संख्या*	73369	427077
एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या*	630389	1992984

*प्रावधिक

छायाकार : संजय टेम्भे

सहयोग : जाबिर मोहम्मद कुरैशी

बिजली सेवा में सुधार हेतु उपभोक्ताओं के द्वार पहुंचने कारगर पहल

बस्तर के 7 जिलों से योजना की शुरुआत : ग्रामीणजन बने 'बिजली मित्र'

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी द्वारा उपभोक्ता सेवा में सुधार हेतु "सबडिवीजन प्रणाली" योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं के द्वार पहुंचने की कारगर पहल की गई है। इसमें कनिष्ठ अभियंता गांव-गांव में जाकर विद्युत लाईनों एवं अधोसंरचना का मुआयना करेंगे, साथ ही उपभोक्ताओं की समस्याओं के संबंध में उनसे सीधा संवाद कर समाधान निकालेंगे। योजना की शुरुआत बस्तर संभाग के अंतर्गत सातों जिलों में छत्तीसगढ़ में सर्वप्रथम की गई है।

इस कार्य को संपादित करने हेतु बस्तर संभाग में जहां पूर्व में कनिष्ठ अभियंताओं द्वारा संचालित 51 वितरण केन्द्र थे उसमें 22 वितरण नये की स्वीकृति कम्पनी द्वारा प्रदान की गई जिससे कुल वितरण केन्द्रों की संख्या अब 73 हो गई है। उल्लेखनीय है कि कांकेर जिले में 12, कोण्डागांव जिले में 05, बस्तर जिले में 13, सुकमा जिले में 04, दन्तेवाड़ा जिले में 04 एवं बीजापुर जिले में 03 कनिष्ठ अभियंता (प्रशिक्षु) को पदस्थ किया गया है। साथ ही कांकेर जिले में 03, बस्तर, सुकमा एवं बीजापुर प्रत्येक जिलों में 01 सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) भी पदस्थ किये गए हैं।

इस योजना के प्रतिवेदन में मुख्य अभियंता श्री हर्ष गौतम ने बताया कि उपभोक्ताओं के द्वार पहुंचने की पहल का लाभ बस्तर क्षेत्र के धुर नक्सल प्रभावित कोयलीबेड़ा के ग्राम गोन्दुल, मर्रामपारा में बिजली पहुंचने तथा ग्राम बिरिंगपाल के रहवासियों की समस्या के समाधान के रूप में मिला। कांकेर के देवडोंगर ग्राम में भी अभियंताओं ने उपभोक्ताओं से संवाद कर बिजली व्यवस्था का जायजा लिया। श्री गौतम ने बताया कि कांकेर जिले के मर्रामपारा गांव में मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना के तहत बिजली पहुंचाने की बड़ी सफलता मिली हैं। इसी तरह देवडांगर गांव के हर घर में बिजली कनेक्शन लग गया है। देवडोंगर गांव के लोगों ने इस बात के लिए प्रसन्नता व्यक्त कि वोल्टेज की समस्या का यहां पूरा निदान हो गया है।

'बिजली मित्र' बने ग्रामवासी

बस्तर जिले के ग्राम साल्हेमेटा, परलामेटा, बिरिंगपाल में पहुंचे अभियंताओं से ग्रामीणजनों ने 'बिजली मित्र' बनने सहर्ष सहमति दी और ग्राम के श्री धरमदास नाग, राजमन कश्यप, सुखराम, सुखदेव, रामनाथ मण्डावी, बबलू राम कष्यप एवं कमलु मण्डावी बिजली मित्र बन गए हैं। 'बिजली मित्र' विद्युत विभाग को समय-समय पर गांव की बिजली संबंधित जानकारी देंगे। ग्रामवासियों के बताये अनुसार बिरिंगपाल की विद्युत आपूर्ति जगदलपुर के धरमपुरा उपकेन्द्र से किये जाने हेतु आवश्यक लाईन विस्तार कार्य शीघ्र करने की तकनीकी समीक्षा अभियंताओं ने की।

इस योजना के अंतर्गत कांकेर के ग्राम देवडांगर, पेटोली, कोकुनपुर, नालाझर, डोंगरगांव, अंतागढ, इमलीपदर में ग्रामीणों को विद्युत लाईनों से दूर रहने, छेड़छाड़ न करने, विद्युत चोरी न करने की समझाइश अधिकारियों ने दी। ग्रामीणजनों ने धुर नक्सल क्षेत्रों में बिजली पहुंचना को अपनी जिंदगी के लिए एक बड़ी सुविधा बताते हुए शासन और बिजली विभाग को सराहा।

सुकमा जिले के ग्राम झापरा, मुल्लागुड़ा, बिरस्थापाल तथा दन्तेवाड़ा जिले के ग्राम बड़ेतुमनार, ग्राम छोटेतुमनार एवं ग्राम गदापाल में भी कनिष्ठ अभियंताओं ने ग्रामवासियों से सीधा सम्पर्क किया, जिसका लाभ सही मीटर रीडिंग, बकाया राशि की वसूली, विद्युत दुर्घटनाओं से सुरक्षा, बिजली बचत के उपाय जैसे कार्यों से भी ग्रामीणजन अवगत हुए।

पॉवर कम्पनी में योग दिवस पर योगाभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गुढ़ियारी में योगाभ्यास-योग प्रदर्शन का आयोजन 21 जून को किया गया। इसमें विवेकानन्द आश्रम के योगाचार्य श्री बलवीर जी ने विभिन्न योगासनों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जिसका अनुशरण अधिकारियों/कर्मचारियों ने किया। पॉवर कंपनी के कार्यपालन अभियंता – योग प्रशिक्षक श्री सीताराम साहू ने प्रतिभागियों को बताया कि नियमों के साथ नियमित योगाभ्यास उत्तम स्वास्थ्य की कुंजी है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मुख्य अभियंता श्री आर.बी.त्रिपाठी के मार्गदर्षन में योग कार्यक्रम में पॉवर होल्डिंग कंपनी के उपमहाप्रबंधक(औद्योगिक संबंध) श्री जी. खण्डेलवाल सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुये। कार्यपालन अभियंता श्री ए.के. सोनी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुये अंत में आभार प्रदर्शन किया।

पॉवर कंपनी में कापोरेट चैलेंज-स्ट्रेस मेनेजमेंट पर कार्यशाला

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी में कापोरेट चैलेंज एवं स्ट्रेस मैनेजमेंट पर एक कार्यशाला का आयोजन सेवाभवन स्थित सभागार में 21 जून को किया गया। शांतिकुंज हरिव्दार से आए विषय विशेषज्ञों ने कंपनी में सहकर्मियों के साथ बेहतर कार्यशैली से काम करने के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि प्रेम, प्रेरणा, प्रशंसा और प्रोत्साहन के साथ काम करेंगे तो बेहतर परिणाम आएंगे। कार्यक्रम में पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती तृप्ति सिन्हा, जनरेशन कंपनी के एमडी श्री केआरसी मूर्ति, डायरेक्टर श्री ओसी कपिला, श्री अजय कुमार दुबे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

आईआईटी रूड़की व गायत्री परिवार शांतिकुंज से आए मोटिवेटर श्री योगेंद्र कुमार गिरी ने कहा कि इंजीनियरों पर निर्माण की जिम्मेदारी होती है। हमें अपने आसपास के क्षेत्र से बदलाव की शुरुआत करते हुये हर कार्य बेहतर तरीके से करना चाहिए। गायत्री परिवार के रिसर्च स्कालर श्री जयराम मोटलानी ने कहा कि किसी भी संस्थान में सहकर्मी हाथ-पांव होते हैं, उनसे अच्छा व्यवहार रखना कार्यों में कामयाबी सुनिश्चित करना है। हर व्यक्ति में गुण-अवगुण होते हैं, इसलिए हमेशा अच्छे गुणों की हमेशा प्रशंसा करते हुये प्रोत्साहित करना चाहिये।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत होल्डिंग कंपनी के डायरेक्टर श्री अजय दुबे, कार्यपालक निदेशक सर्वश्री एम.एस.चौहान, डब्लू.आर.वानखेड़े,एस.एस. टिल्लू, आर.एस. ठाकुर ने किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुये अंत में आभार प्रदर्शन सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मण्डावी ने किया।

पॉवर कम्पनी में विभागीय जांच पर केन्द्रित कार्यशाला

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कम्पनीज मुख्यालय डंगनिया स्थित सेवाभवन में 17 मई 19 को आयोजित विभागीय जॉच पर केन्द्रित कार्यशाला में 50 से अधिक अधिकारियों ने अपनी भागीदारी दी। कार्यशाला में पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने कहा कि विभागीय जांच एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। जिसका उद्देश्य प्रकरण की स्पष्ट जांच कर न्याय दिलाना है। जांच के समय आरोपी द्वारा किये गये कार्यों के पीछे कुनियति अथवा नेक नियति को देखना नैसर्गिक न्याय की दृष्टि से उचित होगा।

इस अवसर पर ट्रांसमिशन कंपनी की एमडी श्रीमती तृप्ति सिन्हा, पॉवर होल्डिंग कंपनी के डायरेक्टर श्री अजय दुबे, कार्यशाला के प्रमुख वक्ता पॉवर कंपनीज के कार्यपालक निदेशक श्री आनंद कुमार तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यशाला में डायरेक्टर श्री अजय दुबे ने संस्थान में अनुशासन बनाये रखने तथा नियमों के पालन हेतु विभागीय जांच को आवश्यक बताया।

कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों को पॉवर कंपनी के कार्यपालक निदेशक (रिटायर्ड आई.पी.एस-डिपार्टमेन्टल इंक्वायरी) श्री आनंद तिवारी ने विभागीय जांच की आवश्यकता, नियमावली, नैसर्गिक न्याय, विभागीय जांच के दस्तावेजों का रखरखाव, इंक्वायरी एंड प्रजेन्टिंग आफीसर की भूमिका, आरोपित अधिकारी-कर्मचारी को अपना पक्ष रखने का समुचित अवसर प्रदान करना, विभागीय जांच उपरान्त दोषी कर्मी को दिये जाने वाले दण्ड, पुनर्विचार याचिका की अपील, ज्वाइंट डिपार्टमेन्टल इंक्वायरी जैसे विषयों की जानकारी दी।

कार्यक्रम के आरंभ में पॉवर होल्डिंग कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री एच.के. पाण्डेय ने बताया कि किसी भी संस्थान में विधिसम्मत कार्यों का निष्पादन उस संस्था में सेवारत अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही संस्था के लिए हितकारी होता है। शासकीय सेवा में सेवाशर्तों के साथ विविध नियमावली निर्धारित किये जाते हैं। इनका समुचित ज्ञान नहीं होने के कारण जाने-अनजानें में त्रुटियां हो जाती है। ऐसी त्रुटियों के निराकरण, निष्पक्षतापूर्वक विभागीय जांच हेतु विभागीय जांच विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत पॉवर कंपनी के उच्चाधिकारी जीएम श्री एच.के.पाण्डेय, सीई श्री हर्ष गौतम, श्री ए.के.श्रीवास्तव एवं एजीएम श्री सुनील मेहता द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने किया।

चेयरमेन श्री शुक्ला डब्लू.आर.पी.सी. के अध्यक्ष, एम.डी. श्री अब्दुल हक चेयरपर्सन मनोनीत

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी आदेशानुसार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कम्पनीज अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला को पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति (डब्लूआरपीसी) का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। साथ ही इस समिति की टेक्नीकल कोआर्डिनेंस कमेटी (टीसीसी) के चेयरपर्सन पॉवर डिस्ट्रीहब्यूशन कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर (आईएएस) श्री मोहम्मद कैशर अब्दुल हक मनोनीत किये गये हैं। वर्ष 2019-20 के लिये मनोनीत अध्यक्ष श्री शुक्ला एवं एमडी श्री अब्दुल हक पॉवर कम्पनीज के साथ-साथ आगामी एक वर्ष के लिये डब्लूआरपीसी से संबंधित दायित्वों का भी निवर्हन करेंगे।

देश की समस्त विद्युत प्रणाली को सुव्यवस्थित – अनुशासित बनाये रखने हेतु गठित पांच क्षेत्रीय समितियों में सबसे बड़ी समिति पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति है। इसके अन्तर्गत मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा, दमन, द्वीव, दादरा, नगर हवेली एवं छत्तीसगढ़ सहित अन्य बड़े विद्युत उपक्रम भी शामिल हैं। श्री शुक्ला के डब्लूआरपीसी अध्यक्ष बनाये जाने से छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर विद्युत के क्षेत्र में सम्मानजनक स्थान की प्राप्ति हुई है।

डब्लू.आर.पी.सी. के अध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर श्री शुक्ला ने कहा कि इस पद पर रहते हुये छत्तीसगढ़ के विद्युत विषयक मामलों में प्रदेश के हित सवंर्धन के लिये सदैव प्रयत्नशील रहेंगे। छत्तीसगढ़ के विद्युत संबंधी मुद्दों को प्रबलता के साथ केन्द्र के समक्ष प्रभावी ढंग से रखना आसान होगा। यद्यपि देश के बड़े राज्यों से गठित डब्लूआरपीसी की विशाल प्रणाली को निर्बाध संग निर्विवाद संचालित करना एक चुनौति भरा कार्य है।

सीईए के प्रतिवेदन में छत्तीसगढ़ विद्युत उपलब्धता के मामले में अग्रणी

छत्तीसगढ़ में विद्युत की मांग में साल दर साल वृद्धि दर्ज हो रही है। मांग की तुलना में बिजली की उपलब्धता औसतन अधिकतम ही रही है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण नई दिल्ली की रिपोट में बताया गया कि छत्तीसगढ़ विद्युत उपलब्धता के मामले में अग्रणी है यहा 99.98 प्रतिशत बिजली उपलब्ध रही है। अप्रैल 2018 में बिजली की मांग 3800 मेगावॉट थी यह 01 वर्ष के भीतर अप्रैल 2019 में 4500 मेगावॉट तक जा पहुंची है। बिजली के मांग में गत् 01 वर्ष के भीतर 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के अधीन कार्यरत केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए.) नई दिल्ली द्वारा देश भर के राज्यों की विद्युत की आवश्यकता एवं आपूर्ति का प्रतिवेदन तैयार किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ में अप्रैल 2018 से मार्च 2019 तक 26130 मिलीयन यूनिट की आवश्यकता बताई गई तथा इसके विपरीत 26076 मिलीयन यूनिट की उपलब्धता बताई गई है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के मुताबिक छत्तीसगढ़ में बिजली की कोई कमी नहीं है।

देशभर के राज्यों को विद्युत प्रणाली के आधार पर पूर्वी पश्चिमी उत्तरी दक्षिण तथा उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में विभाजित किया गया है। इन पांच क्षेत्रों में से पश्चिम क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य शामिल है, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा तैयार किये गए रिपोर्ट में यह भी दर्शाया गया है कि देश भर के इन 05 विद्युत क्षेत्रों में पश्चिम क्षेत्र बिजली की उपलब्धता की दृष्टि से अग्रणी बना हुआ है। वहीं पूर्वी क्षेत्र में 0.7 प्रतिशत, उत्तरी क्षेत्रों में 1.4 प्रतिशत, दक्षिण क्षेत्र में 0.1 प्रतिशत और उत्तर – पूर्वी क्षेत्र में 2.8 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है।

पॉवर कम्पनी में आतंकवाद विरोधी दिवस पर शपथ कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में आतंकवाद विरोधी दिवस पर आतंक एवं हिंसा के विरुद्ध लड़ने की शपथ अधिकारियों/कर्मचारियों ने ली। 21 मई को कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवाभवन के प्रागंण में आयोजित शपथ समारोह में एम.डी.जनरेशन श्री के. आर.सी.मूर्ति ने अहिंसा एवं सहनशीलता की परपम्परा में दृढ़ विश्वास रखते हुये शांति-सामाजिक सदभाव को बनाये रखने का संकल्प दिलाया।

श्री मूर्ति के साथ शपथ लेते हुये पॉवर होल्डिंग कंपनी के डायरेक्टर श्री अजय दुबे एवं कार्यक्रम के संयोजक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री एच.के. पाण्डेय सहित अन्य उच्चाधिकारियों/कर्मचारियों ने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परंपरा पर दृढ़ आस्था एवं विश्वास व्यक्त किया। उपमहाप्रबंधक (औद्यागिक संबंध) कार्यालय की ओर से संयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री अतुल तिवारी एवं कार्यालय के अन्य कर्मियों ने सक्रियता से भागीदारी दी।

कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने करते हुये आतंकवादी गतिविधियों को वैश्विक समस्या बताया। 21 मई 1991 को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या लिट्टे के आतंकवादियों ने कर दी थी। इस घटना के उपरांत मुंबई के नरीमन हाउस और ताज होटल में हुये आतंकवादी हमले को याद कर सामान्यजन आज भी सिहर उठता है। देश के आर्थिक पर्यटन, सामाजिक स्थिति पर दुष्प्रभाव डालने वाले ऐसे आतंकवादी गतिविधियों के प्रति सतत जागरूक रहने के उद्देश्य से ही आतंकवादी विरोधी दिवस का आयोजन किया जाता है।

सरगुजा के 174 गांवों को मध्यप्रदेश की बिजली से मिली मुक्ति

मुख्यमंत्री की पहल से 4200 उपभोक्ताओं के घर छत्तीसगढ़ की बिजली से रौशन

छत्तीसगढ़ विद्युत बाहुल्य राज्य है। इसके बावजूद सरगुजा के जनकपुर क्षेत्र के 174 गांवों अब तक मध्यप्रदेश की बिजली आपूर्ति पर आश्रित थे। जनकपुर क्षेत्र को मध्यप्रदेश से 33 के.व्ही. लाईन पर करीब 23 के.व्ही. वोल्टेज प्राप्त हो रहा था। जिससे इन गांवों को ऊंची कीमत पर बिजली की आपूर्ति हो रही थी, साथ ही विद्युत विषयक समस्याओं का सामना प्रायः करना पड़ रहा था।

नई सरकार के गठनोपरान्त मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की जानकारी में जब जनकपुर क्षेत्र की समस्या लाई गई तो उन्होंने इसके तत्काल समाधान के कड़े निर्देश दिये। फलस्वरूप मात्र साढ़े तीन माह के रिकार्ड समय में 60 किलोमीटर लम्बी नयी विद्युत लाईन बिछाकर छत्तीसगढ़ से ही बिजली पहुंचाने का इंतजाम करने की ऐतिहासिक कामयाबी मिली। यह कार्य 13 करोड़ 88 लाख रूपए की लागत पर संपन्न हुआ। नई लाईन के चालू होने पर जनकपुर क्षेत्र में वोल्टेज बढ़कर 27 केव्ही हो गया है। राज्य गठन के 19 साल बाद अब जाकर इस क्षेत्र के रहवासियों को उनके हक का असल उजाला प्राप्त हुआ।

राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ ने विद्युत उत्पादन के मामले में हालांकि सरप्लस राज्य के रूप में पहचान बनाई, लेकिन अधोसंरचना के मामले में अनेक सीमावर्ती क्षेत्र उपेक्षित रह गए। जनकपुर क्षेत्र भी इन्हीं में से एक था। 19 सालों में भी इस क्षेत्र को छत्तीसगढ़ के निकटतम विद्युत उपकेन्द्र से कनेक्ट नहीं किया गया। मध्यप्रदेश से जिस 33 केवी लाईन से विद्युत आपूर्ति की जा रही थी, उसकी लंबाई 100 किलोमीटर है। इसलिए इस क्षेत्र के गांवों को न तो निर्बाध बिजली मिल पा रही थी, और न ही सही वोल्टेज। 4178 उपभोक्ताओं वाले जनकपुर क्षेत्र में आए दिन बिजली गुल रहा करती थी।

जनकपुर वासियों की विद्युत विषयक पीड़ा को हरने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार युद्धस्तर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी द्वारा कार्य किया गया और सघन वनों से घिरे क्षेत्र में 33 के.व्ही. क्षमता की 60 किलोमीटर लंबी नयी लाईन बिछाने का काम पूर्ण किया गया। नवनिर्मित पूरी लाईन जंगल क्षेत्र से होकर गुजरती है। नयी लाईन के जरिए 174 गांवों को भरपूर वोल्टेज के साथ निर्बाध बिजली मिल पाएगी। लाईन में किसी तरह की खराबी या बाधा आने पर वे छत्तीसगढ़ के ही अधिकारियों-कर्मचारियों से शिकायत कर उसे तुरंत ठीक करा पाएंगे।

विदित हो कि छत्तीसगढ़ को मध्यप्रदेश से हर महीने 1.14 मिलियन यूनिट बिजली खरीदनी पड़ रही थी। इसके एवज में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा औसर प्रति यूनिट 7 रूपए 21 पैसे की दर से हर महीने 82 लाख रूपए का भुगतान मध्यप्रदेश को किया जा रहा था। अब जबकि छत्तीसगढ़ से बिजली आपूर्ति की व्यवस्था हो गई है, मात्र 5 रूपए 43 पैसे की दर से बिजली उपलब्ध हो जाएगी। इस तरह 20 लाख 30 हजार रूपए की बचत हर महीने होगी।

बस्तर क्षेत्र की विद्युत प्रणाली को उन्नत बनाने कारगर पहल

प्रदेश के सुदूर ग्रामीण एवं आदिवासी बाहुल्य वन क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति हेतु प्रणाली को सुदृढ़ बनाने का कार्य पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी द्वारा युद्धस्तर पर किया जा रहा है। ऐसे प्रयासों के तहत् 400 के.व्ही. उपकेन्द्र जगदलपुर का विस्तार कार्य जारी है जिससे संबद्ध 220/132/33 के.व्ही. के उपकेन्द्र भी शीघ्र उर्जित होंगे।

ऐसे क्षेत्रों में पारेषण प्रणाली को उन्नत बनाने के लिए किये जा रहे कार्यों का जायजा लेने पॉवर कम्पनीज के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने 21 एवं 22 मई 19 को जगदलपुर, कोण्डागांव, बारसूर में निर्मित एवं नवनिर्माणाधीन अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रांसमिशन कंपनी की एमडी श्रीमती तृप्ति सिन्हा, जगदलपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री हर्ष गौतम, अधीक्षण अभियंता श्री संदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता श्री .... जुल्में सहित पारेषण कंपनी के अन्य उच्चाधिकारी मौजूद थे।

पॉवर कम्पनीज अध्यक्ष श्री शुक्ला ने कोण्डागांव के अतिउच्चदाब उपकेन्द्र में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त 40 एमव्हीए के ट्रांसफार्मर की स्थापना सहित 220 केव्ही उपकेन्द्र जगदलपुर के निर्माण कार्य तथा 400 के.व्ही. उपकेन्द्र जगदलपुर, 220 केव्ही उपकेन्द्र बारसूर का निरीक्षण किया। उन्होंने उपकेन्द्रों के निर्माण कार्य में लगे अधिकारियों एवं अन्य एजेंसियों को समयसीमा में कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया। जगदलपुर 400 केव्ही उपकेन्द्र प्रदेश का सबसे बड़ा तीसरा उपकेन्द्र है, इस उपकेन्द्र में 220/132/33 के.व्ही. क्षमता के उपकेन्द्र भी सम्बद्ध रहेंगे। इनके ऊर्जीकरण से बस्तर क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था एवं पारेषण प्रणाली सुदृढ़ होगी।

बस्तर क्षेत्र में बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा एवं जगदलपुर जिले की विद्युत आपूर्ति 220 केव्ही उपकेन्द्र बारसूर से होती है। इस हेतु एक और स्रोत बढ़ाने के लिये बारसूर-जगदलपुर के मध्य एक अतिरिक्त 220 के.व्ही. अतिउच्चदाब लाईन निर्माणाधीन है। यह नई लाईन 400 के.व्ही. जगदलपुर उपकेन्द्र से ऊर्जित की जायेगी, जिससे बस्तर अंचल को बिजली आपूर्ति के लिए भिलाई, गुरूर उपकेन्द्रों के अतिरिक्त स्त्रोत उपलब्ध होंगा।

जगदलपुर में परिचारक (लाईन) प्रशिक्षण कार्यशाला में माहौल हुआ पारिवारिक

बस्तर संभाग में नवनियुक्त परिचारक लाईन (संविदा) के प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉवर कंपनी अध्यक्ष श्री शैलेन्दु शुक्ला ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि बिजली से जुड़ी कार्यप्रणाली पूरी तरह से तकनीकी होती है। तकनीकी ज्ञान में दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से ही दिल्ली के पॉवर सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा परिचारक लाईन (संविदा) कर्मियों को प्रशिक्षण देने की पहल की गई है।

जगदलपुर के आड़ावाल स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में पॉवर कंपनी के शीर्ष पद पर पदस्थ अध्यक्ष एवं कंपनी के सबसे निचले पद पर पदस्थ हेल्पर जब आमने सामने हुये तो माहौल परिवारिक हो गया। परिवार के मुखिया के साथ खड़े बच्चों की भांति मंत्रमुग्ध हेल्पर अपने सबसे बड़े अधिकारी को अपने बीच पाकर जहां खुश थे, वहीं अध्यक्ष महोदय की बताई बातों को जीवन में उतारने एवं अनुशासित रहने हेतु आष्वस्त भी हुये। इस अवसर पर पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती तृप्ति सिन्हा, जगदलपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता हर्ष गौतम, मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) श्री आर.बी.त्रिपाठी एवं पॉवर सेक्टर स्किल काउन्सिल के निदेशक श्री ... जैन एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल थे।

विद्युत कर्मियों ने की "चौराहा" नाटक की सफल प्रस्तुति

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के क्रीड़ा भवन डंगनिया में "चौराहा" नाटक का सफल मंचन 31 मई को किया गया। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के बैनर तले आयोजित इस नाटक में बताया गया कि "चौराहा" आमजनों की सुविधाओं के लिए निर्मित होते हैं लेकिन राजनैतिक-धार्मिक प्रदर्शन, धरना – हड़ताल-जुलूस जैसे आयोजनों से घिरा शरण आम आदमी की पीड़ा का मूक दर्शक बन कर रह जाता हैं।

शरण चीख-चीख कर संदेश देता है कि झूठे आडम्बरों से घिरे ऐसे आयोजनों से आम आदमी न केवल परेशान होता है अपितु अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को भी पूरा नहीं कर पाता।

आम आदमी की पीड़ा को "चौराहा" नाटक में व्यक्त करते हुए लेखक-निर्देशक एवं सूत्रधार की भूमिका में श्री योगेश नैयर ने उम्दा अभिनय का प्रदर्शन किया। नाटक में श्रीकान्त पोद्दार (नायक), अजरूदीन सिद्दीकी (सूत्रधार), प्रीति साहू (नेत्री) और सुरेश ठाकुर (नेताजी), आकांक्षा नगरिया (नायिका), पवन ओगले (गरीब आदमी) एवं रेशमा सेतपाल अपने सटीक अभिनय के साथ दर्शकों को बांधने में कामयाब रहे। नाटक को प्रभावी और मर्मस्पर्शी बनाने में श्री कमल मुखर्जी (तबला), श्री शिवनारायण (बांसुरी) एवं एम.एल.पॉल की भूमिका प्रभावकारी रही। नाटक मंचन के पूर्व सुगम संगीत की प्रस्तुति देते हुए श्री आनंद मौखरीवाल, श्री विनय गुप्ता का गायन एवं केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव श्री एम.एस.चौहान का बांसुरी वादन दर्शकों को भा गया और लम्बे समय तक याद रखने लायक रहा।

नाट्य मंचन उपरान्त कलाकारों को पुरस्कृत करते हुए पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने कहा कि बिजली कर्मी बिजली के उत्पादन, पारेषण और वितरण में दक्ष तो हैं ही, कला एवं खेल जगत में भी उनकी विशिष्टता है। कार्यक्रम में एम.डी. (जनरेशन) श्री के.आर.सी.मूर्ति, श्रीमती अनीता शुक्ला, श्रीमती रमा मूर्ति एवं केन्द्रीय क्रीड़ा कला परिषद की अध्यक्ष एमडी (ट्रांसमिशन) श्रीमती तृप्ति सिन्हा ने कलाकारों को बधाई देते पुरस्कृत किया। आयोजन को सफल बनाने में वरिष्ठ क्रिकेटर श्री पी.के.खरे की भूमिका महत्वपूर्ण रही। कार्यकम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने किया।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गुढ़ियारी में स्वास्थ्य प्रबंधन पर प्रशिक्षण संपन्न

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गुढ़ियारी रायपुर में "मेल मर्ज प्रोग्रामिंग एवं स्वास्थ्य प्रबंधन द्वारा दक्षता में सुधार" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन 23 मई को किया गया।

प्रशिक्षणार्थियों को कार्यपालन अभियंता श्री सीताराम साहू ने बताया कि दैनिक दिनचर्या स्वास्थ्य का दर्पण है। आहार-विहार, विचार एवं व्यवहार का इसमें समावेष रहता है। आहार-विहार विचार एवं व्यवहार की विकृति से कार्य दक्षता में कमी आना स्वाभाविक है।

श्री साहू ने कार्य दक्षता में कुशलता लाने और शारीरिक-मानसिक रोगों से मुक्ति पाने के लिये प्रातः काल सूर्योदय के पूर्व जागकर पानी पीने की सलाह दी तथा नियमित दौड़ अथवा 20 मिनट आसन – प्राणायाम का अभ्यास अथवा एक घंटा घूमने को लाभप्रद बताया।

कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता मधुलिका मिंज, कार्यपालन अभियंता ए. के. सोनी तथा कार्यपालन अभियंता मुकेश कुमार, सहायक अभियंता श्रीमती सोनल एन. मिश्रा, श्री एस.पी. मंडावी तथा श्रीमती कनकलता पंसारी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी – कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में आगामी कई वर्षों तक बनी रहेगी भरपूर बिजली

छत्तीसगढ़ आगामी अनेक वर्षों तक विद्युत आधिक्य वाला राज्य बना रहेगा। यहां साल दर साल बढ़ती विद्युत की मांग के अनुरूप बिजली उपलब्ध रहे इस हेतु पॉवर कंपनी द्वारा सार्थक पहल की गई है। कंपनी द्वारा किये गये आकंलन के मुताबिक वर्ष 2031-32 तक लगभग 3000 मेगावॉट अतिरिक्त बिजली कंपनी के पास उपलब्ध रहेगी।

प्रदेश में उत्पादित एवं अन्य श्रोतों से प्राप्त बिजली को सुदुर ग्रामीण अंचलों तक पहुंचाने के लिए प्रदेश भर की समस्या ग्रस्त क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता से चिन्हांकित किया जा रहा है साथ ही राज्य की दीर्घकालीन विद्युत की मांग का आंकलन कर कंपनी द्वारा लगभग 1000 करोड़ से लागत से निर्मित होने वाली 36 से अधिक प्रोजेक्ट हाथ में लिए गए है, जिन्हें एक वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

कंपनी प्रबंधन द्वारा पारेषण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया है चूंकि पारेषण प्रणाली के सुदृढ़ होने पर विद्युत वितरण हेतु संचालित 33 केव्ही फीडरों पर बिजली का लोड मापदण्डों के अनुरूप रखने में सहायता मिलती है। इसे दृष्टिगत रखते हुए पारेषण प्रणाली को पर्याप्त क्षमता युक्त के साथ ही 99.89 प्रतिशत उपलब्धता बनाये रखने सफल प्रयास किये गये है। वर्ष 2019-20 की समाप्ति तक प्रदेश की पारेषण क्षमता 19834 एमव्हीए. हो जाएगी।

अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों में लगे तीस चालिस वर्ष पुराने हो चले उपकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता से बदलने का निर्णय लिया गया है। इस हेतु 62 करोड़ की योजना पर पहले चरण में कार्य आरंभ किया गया है। पुराने उपकरणों के रख-रखाव एवं कुशल प्रबंधन के साथ सतत निगरानी के निर्देश मैदानी अधिकारियों को दिये गये है। राज्य में साल दर साल विद्युत की बढ़ती हुई मांग का आकंलन कर पॉवर कंपनी द्वारा प्रदेश की पारेषण प्रणाली को उन्नत करने वर्ष 2021-22 के लिए भी कार्ययोजना तैयार की गई है जिसके अंतर्गत लगभग 15 अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों एवं उनसे संबद्ध लाइनों के कार्य शामिल है।

मध्य भारत का सबसे बड़ा स्काडा सेन्टर रायपुर में स्थापित

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी द्वारा गुढ़ियारी रायपुर में मध्य भारत की सबसे बड़ी विद्युत डिस्ट्रीब्यूशन आटोमेशन हेतु स्काडा/डीएमएस सेन्टर की स्थापना-क्रियाशील कर सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। इससे उपभोक्ताओं को प्रदत्त सेवाओं में सतत सुधार करने की दिषा में एक बड़ी कामयाबी मिली है। रायपुर शहर की विद्युत प्रणाली में आये किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की तत्काल जानकारी मिनटों में स्काडा सेन्टर (सुपरवाईजरी कंट्रोल एण्ड डाटा एग्जीबिशन) के माध्यम से मिल जायेगी। पूर्व में उक्त कार्य हेतु लगभग एक से दो घण्टे का समय लग जाता था।

स्काडा कंट्रोल सेंटर से रायपुर शहर में क्रियाशील 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्रों से निर्गमित 11 के.व्ही. के 300 फीडर्स को रिंग मेन यूनिट (आर.एम.यू.) की सहायता से एक दूसरे से जोड़कर रिंग में लाया गया है जिससे किसी भी फीडर में फाल्ट आने की स्थिति में समीप के अन्य दूसरे फीडर से विद्युत की पूर्ववत आपूर्ति न्यूनतम समय में की जा सकेगी।

स्काडा कंट्रोल सिस्टम को कंपनी के ऊर्जा प्रौदयोगिकी केन्द्र के सेप सिस्टम से भी कनेक्ट किया गया है जिससे फीडरों में होने वाले व्यवधान की सूचना उस क्षेत्र के प्रभावित उपभोक्ताओं को आटोमेटिकली मिल सके। इस सेंटर के माध्यम से रायपुर में स्थापित संपूर्ण 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्रों एवं उनसे निर्गमित होने वाले 11 के.वी. फीडरों, वितरण ट्रांसफार्मरों एवं आरएमयू को एक साथ एक स्क्रीन पर देखा जा सकता है जो कि पूर्णतः जी.आई.एस. (जियोग्राफिक इन्फारमेशन सिस्टम) पर आधारित है। इस वजह से किसी भी क्षेत्र की विद्युत प्रणाली में फाल्ट होने की जानकारी स्काडा सेंटर को प्राप्त हो जाती है जिससे संबंधित क्षेत्र के अधिकारी से समन्वय स्थापित कर अत्यंत कम समय में विद्युत आपूर्ति बहाल कर ली जाती है।

स्काडा सेंटर की सहायता से यह भी संभव हो पाया है कि रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित समस्त उपकेन्द्रों एवं 11 के.वी. फीडरों के जंक्षन पांइट पर स्थपित आरएमयू (रिंग मेन यूनिट) के बंद या चालू होने की जानकारी तत्काल कंट्रोल सेंटर में अर्लाम सिस्टम के माध्यम से पहुंचती है जिससे संबंधित क्षेत्रों की सप्लाई व्यवस्था को बहाल करने में सहायता मिलती है। इसके अलावा रायपुर शहर स्थित उपकेन्द्रों में स्थापित उपकरणों की समस्त तकनीकी जानकारियां जैसे कि लोड, फीडरों का चालू-बंद होना, ट्रांसफार्मर का तापमान आदि का रिकार्ड स्काडा कंट्रोल सेंटर में दिन-रात किया जाता है जिससे लोड फ्लो एनालिसिस कर भविष्य में बढ़ले वाले लोड इन्हेन्स का अनुमान करके सुदृढ़ विद्युत अधोसंरचना के निर्माण करने में सहायता मिलती है।

यह सेंटर स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर से भी इंटर सेंटर कंट्रोल सेंटर (आई.सी.सी.पी.) के माध्यम से जुड़ा हुआ है जो कि ग्रिड में उपलब्ध पॉवर एवं शहरी क्षेत्र में वितरण हेतु उपलब्ध पॉवर की समानता को दर्शाता है।

इस योजना से उरला, सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र को जोड़ने का कार्य अगले दो वर्षों में प्रस्तावित है। स्काडा सेंटर का संचालन कार्यपालन अभियंता श्री एन.बिम्बिसार द्वारा किया जा रहा है। पॉवर कंपनी "क्वालिटी पॉवर फार कन्ज्यूमर्स" का टारगेट बनाये हुए पॉवर जनरेशन, ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के अपग्रेडेशन का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से कर रही है।

घरेलू उपकरणों के सही उपयोग से हो सकती है बिजली बचत

घरेलू उपकरणों के सही उपयोग से उपभोक्तागण आसानी से बिजली की बचत कर सकते हैं। साथ-साथ स्वास्थ को भी सही रख सकते हैं। इस आशय का संदेश जारी करते हुये पॉवर कंपनीज अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने बताया कि ए.सी. को 26 डिग्री पर चलाने से अनेक फायदे होते हैं।

उन्होंने कहा कि सामान्यतः देखने में आया है कि ए.सी. का उपयोग करने वाले अधिकांशजन ए.सी. का टेम्प्रेचर 20 – 22 पर रखते हैं और अधिक ठंड महसूस होने पर चादर का उपयोग करने लगते हैं। इससे बिजली की अधिक खपत होती है दूसरा शरीर के रोगग्रस्त होने की संभावना बढ़ जाती है।

विद्युत क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि ए.सी. को अत्यंत कम तापमान में रखने पर कम्प्रेशर अपने पूरी क्षमता के अनुरूप काम करने लगता है भले ही वह 5 स्टार का क्यों न हो। इससे बिजली की खपत काफी ज्यादा होती है, अतः स्वाभाविक है कि बिजली के बिल में भी वृद्धि होगी।

प्रायः तुरन्त ठंडकता पाने के वहम में 20 या 21 डिग्री पर ए.सी. चलाया जाता है जो कि अनेक दृष्टि से नुकसानदायक है, अतः ए.सी. को 26 डिग्री पर रखकर चलाने के साथ ही पंखे को भी धीमी गति से चलाना ज्यादा श्रेयस्कर है। बताई गई प्रक्रिया के पालन करने पर प्रतिदिन प्रति ए.सी. पर यदि पांच यूनिट की भी बचत होती है तो राष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों यूनिट बिजली की बचत की जा सकती है।

प्रदेश की पारेषण क्षमता में हुई वृद्धि

प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति हेतु पारेषण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने का कार्य पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी द्वारा युद्धस्तर पर किया जा रहा है। ऐसे प्रयासों के फलस्वरूप 220 के व्ही उपकेन्द्र भिलाई में 14 जून को 160 एमव्हीए क्षमता का एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किया गया। प्रदेश की पारेषण क्षमता को सुदृढ़ बनाने के लिए छत्तीसगढ स्टेट पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र कुमार शुक्ला एवं कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती तृप्ति सिन्हा की उपस्थिति में उक्त 160 एमव्हीए क्षमता का अतिरिक्त ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किया।

इस वृहद क्षमतायुक्त ट्रांसफार्मर की सफलतापूर्वक स्थापना एवं क्रियाशीलता के लिए चैयरमेन श्री शुक्ला ने पारेषण कंपनी की टीम को बधाई दी। साथ ही लक्ष्य के अनुरूप अन्य निर्माणाधीन कार्यों को यथासमय पूर्ण करने पर जोर दिया। इससे ट्रांसमिशन कंपनी की पारेषण क्षमता में वृद्धि हुई। साथ ही साथ भिलाई उपकेन्द्र में 125 एमव्हीए के तीन ट्रांसफार्मर एवं 160 एमव्हीए के दो ट्रांसफार्मर हो गये है और उनकी कुल क्षमता 695 एमव्हीए हो गई है। मेसर्स बीएचईएल द्वारा प्रदाय किये गये इस ट्रांसफार्मर की कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये है जिसका वजन लगभग 170 टन है।

220/132 केव्ही उपकेन्द्र डेलकाडीह से सम्बद्ध पारेषण लाईन का पुनर्गठन कार्य पूर्ण

प्रदेश की पारेषण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिये छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा अतिउच्चदाब लाईनों एवं उपकेन्द्रों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। 205 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से निर्मित होने वाले अनेक कार्य चालू माह जून 19 में पूर्ण होने की ओर हैं। ऐसे कार्यों में आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बस्तर के चार बड़े कार्य भी शामिल हैं।

इन कार्यों की प्रगति की सतत् मानीटरींग पॉवर कंपनी अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला एवं ट्रांसमिशन कंपनी की एमडी श्रीमती तृप्ति सिन्हा अपनी कार्यकुशल टीम के साथ कर रहे हैं। पारेषण प्रणाली की सुदृढ़ता एवं विस्तारीकरण से सुदूर ग्रामीण अंचलों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के साथ साथ क्वालिटी पॉवर सप्लाई एवं पारेषण हानि को भी नियंत्रित करने में सफलता मिलेगी।

ऐसे कार्यों के लिये पारेषण लाईनों में शटडाउन (बिजली बंद) लेने की आवश्यकता होती है, किन्तु पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधाओं को ध्यान में रखते हुये ऐसी कार्यषैली-योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है कि शटडाउन न्यूनतम समय के लिये हो और कार्यों का का निष्पादन जल्द से जल्द पूर्ण किया जाये। ऐसी ही कार्ययोजना के अन्तर्गत 220/132 केव्ही उपकेन्द्र डेलकाडीह के समीप विभिन्न 132 केव्ही पारेषण लाईनों का पुनर्गठन संबंधी वृहत एवं कठिनतम कार्य पूर्ण किया गया, जिससे राजनांदगाव, दुर्ग, डोंगरगढ़ की विद्युत व्यवस्था सुदृरढ आई।

अतिउच्चदाब निर्माण एवं संधारण संभाग पारेषण कंपनी के विभागीय कर्मचारियों द्वारा पूर्ण किये जा रहे कार्य के संबंध में ट्रांसमिशन कंपनी की एमडी श्रीमती सिन्हा ने बताया कि इस कार्य को पूर्ण करने हेतु 06 से 08 जून तक न्यनूतम 18 घण्टे की लोडशेडिंग की आवश्यकता थी, किन्तु उपभोक्ताओं की परेशानियों को ध्यान में रखते हुये अन्य वैकल्पिक फीडर से विद्युत प्रवाहित किया गया और न्यूनतम समय के लिये शटडाउन लेकर कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

पॉवर कंपनीज से सेवानिवृतजनों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज से सेवानिवृत जनों को 31 मई को मुख्यालय में भावभीनी विदाई दी गई। ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती तृप्ति सिन्हा, डायरेक्टर श्री जी.सी.मुखर्जी ने उन्हें स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर श्रीमती सिन्हा ने कहा कि सेवा पर रहते हुए पावर कंपनी के विकास में अधिकारी-कर्मचारियों ने अपना अमूल्य समय दिया तथा उनके अनुभव का लाभ भी पॉवर कंपनी को मिला। सेवानिवृतजनों में शामिल कंपनी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री दिलीप कुमार खिचरिया, निज सहायक श्री एम.ए.कुरैशी, कार्यपालन अभियंता श्री विजय कुमार विश्वकर्मा, नातिक अली हुसैनी, योगेशचंद्र नैयर, बलदाऊ प्रसाद देवांगन, टीकाराम पटेल, बाबूलाल साहू, मथुरा प्रसाद साव, एसके हंटर, पी नारायण, गौकरण मरकाम, सीएल ध्रुव, दया राम, जोहनलाल लहरे एवं श्रीमती डी ललिता को सम्मानित किया गया। विदाई समारोह में कार्यपालक निदेशक सर्वश्री केएस मनोठिया, डब्ल्यूआर वानखेड़े, मुख्य अभियंता श्री ओपी सिंह, वीके चड्ढा, पीके गुप्ता, वाईबी जैन और एके श्रीवास्तव सहित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन श्री योगेश नैयर एवं आभार प्रदर्शन डीजीएम (एचआर) श्री आरके श्रीवास्तव ने किया।

वितरण केंद्र बेरला में एटीपी मशीन स्थापित

दुर्ग क्षेत्र के साजा संभाग के अंतर्गत स्थित वितरण केंद्र कार्यालय बेरला में बिजली बिल संग्रहण हेतु एटीपी मशीन का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार द्वारा 24 मई 19 को किया गया। एटीपी मशीन की स्थापना से क्षेत्रीय उपभोक्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए बिजली बिल जमा करने के लिए इसे बड़ी सुविधा कहा। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री व्हीआर मौर्या, कार्यपालन अभियंता श्री आर.बी.सिंह, सहायक अभियंता श्री ए.के. सिंह एवं रंजीत महिलांगे, कनिष्ठ अभियंता श्री राजेष साहू तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

दुर्ग में विद्युत कर्मियों की विदाई

दुर्ग क्षेत्र से अप्रैल एवं मई 19 में सेवानिवृत हुए सर्वश्री एस.के.देशमुख, शेख इकबाल अहमद, आर.के.तिवारी, बी.एस.राजपूत, बलदेव साहू, गिरधारी लाल साहू, बशीर खान, मुकुल विकास सामंता, विष्णु प्रसाद सिन्हा, सोहन लाल अग्रवाल, राजेन्द्र सिंह बनाफर, विशालिक राम निषाद, जीवन लाल सोनबेर, छबि राम कुर्मी, सुखचैन वर्मा, कमल नारायण हरिहरनों को कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार ने शॉल, श्रीफल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके सपरिवार सुखमय जीवन की कामना की। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर, अधीक्षण अभियंता श्री के.एस.भारती, श्री व्ही.आर.मौर्या, कार्यपालन अभियंता श्री एस.एस.बघेल, श्री आर.एन. वर्मा, श्रीमती सनिली चौहान वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री वाय.कोसरिया ने सेवानिवृत्तजनों एवं उनके परिवार के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शीघ्रलेखक श्री बी.एस.राजपूत ने किया।

गुण्डरदेही और अर्जुन्दा में एटीपी मशीन आरंभ

दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत विद्युत वितरण केंद्र गुण्डरदेही एवं अर्जुन्दा में एटीपी मशीन का शुभारम्भ 3 जून 2019 को मान. विधायक श्री कुंवर सिंह निषाद द्वारा किया गया। उन्होंने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए इसे एक बड़ी शुरुआत कही। कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार ने उपभोक्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गुण्डरदेही के अंतर्गत 44 गांवों एवं अर्जुन्दा के 45 ग्रामों के लगभग 31 हजार उपभोक्ताओं को विद्युत् बिल भुगतान के लिए लगने वाली लंबी कतारों से राहत मिलेगी।

एटीपी मशीन विभाग के मुख्य सर्वर से जुड़े होने के कारण बिल का भुगतान सीधे उपभोक्ता के विद्युत खाते में चला जाता है जिससे विभाग के कर्मचारियों को अलग से पोस्टिंग करने की जरुरत नहीं होती। इस मशीन के लग जाने से कर्मचारियों का कार्य भी सुविधाजनक हो जायेगा। उपभोक्ताओं से संबंधित अन्य कार्यों को अधिक त्वरित गति से करते हुए और अच्छी उपभोक्ता सेवा प्रदान करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता श्री व्ही.आर.मौर्या, कार्यपालन अभियंता श्री ए.डी. टंडन, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं अन्य कर्मचारियों सहित अधिक संख्या में स्थानीय उपभोक्ता उपस्थित थे।

दुर्ग में विभागीय जांच पर कार्यशाला संपन्न

दुर्ग क्षेत्र में कार्यरत अभियंताओं को विभागीय जांच के दायित्वों के निर्वहन में निपुण बनाने हेतु 28 मई को कार्यशाला का आयोजन कोहका, भिलाई स्थित संजय रुंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूषंस में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ सेवानिवृत्त आई.पी.एस. एवं कार्यपालक निदेशक (विभागीय जांच) श्री आनंद कुमार तिवारी एवं कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार द्वारा माता सरस्वती के चित्र पर द्वीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यशाला में श्री आनंद कुमार तिवारी ने बताया कि कंपनी में कार्यरत चतुर्थ एवं तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय जांच की कार्यवाही कार्यपालन अभियंताओं एवं सहायक अभियंताओं द्वारा संपन्न की जाती है, जिसमें अधिकारियों को जांच अधिकारी एवं प्रस्तुतकर्ता अधिकारी के दायित्व का निर्वहन करना पड़ता है, अतः जांच एवं प्रस्तुतकर्ता अधिकारियों को उनकी भूमिका एवं जांच प्रक्रिया की सहीं जानकारी होना आवश्यक है। कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार ने कहा कि जांच प्रक्रिया की सही जानकारी दोनों पक्षों के लिए हितकारी है। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता श्री एस.आर. बांधे, श्री व्ही.आर.मौर्या एवं श्री के.एस.भारती सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता श्री ओ.पी.भारद्वाज ने किया।

दुर्ग क्षेत्रीय मुख्यालय के एडीओ श्री अग्रवाल की विदाई

दुर्ग क्षेत्रीय मुख्यालय में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी श्री सोहन लाल अग्रवाल की सेवानिवृति पर उन्हें 31 मई 19 को भावभीनी विदाई दी गई। लगभग 42 वर्षों तक सेवा उपरांत विदा ले रहे श्री अग्रवाल को दुर्ग क्षेत्र के अधीक्षण अभियंता श्री के.एस. भारती द्वारा श्रीफल, शॉल, एवं उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्रीमती सनीली चौहान सहित अन्य उपस्थितजनों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

टूटे खंभे, टूटी लाईनें
उखड़े पेड़ - धराशायी हुए वृक्ष
पर अटूट रहा विद्युतकर्मियों का मनोबल
टूटा नहीं झुका नहीं, विद्युत श्रमिक
अटूट विद्युतकर्मी के मनोबल को सलाम...

दुर्ग क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था की समीक्षा

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार ने विद्युत व्यवस्था की समीक्षा हेतु बेमेतरा, साजा एवं बालोद संभागो के सहायक अभियंताओं की बैठक 15 मई को ली। उन्होंने सभी सहायक अभियंताओं को सजग रहकर कार्य करने के निर्देश दिये। उपभोक्ताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेने एवं त्वरित गति से निवारण की कार्यवाही करने बल दिया।

धान की फसल के समय अनवरत विद्युत आपूर्ति रखने के लिए समस्त आवश्यक कार्य सीजन शुरु होने के पूर्व पूर्ण करने उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सबस्टेशनों में पानी की उपलब्धता हेतु मानसून पूर्व सभी सब-स्टेशनों और कार्यालयों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग करवाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए श्री कुमार ने पॉवर ट्रांसफार्मरों एवं वी.सी.बी. (वैक्यूम सर्किट ब्रेकर) की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर, अधीक्षण अभियंता द्वय श्री व्ही.आर.मौर्या एवं श्री के.एस.भारती, कार्यपालन अभियंता श्रीमती सनिली चौहान तथा बेमेतरा, साजा एवं बालोद संभाग के समस्त सहायक अभियंता आदि उपस्थित थे।

दुर्ग में विद्युतकर्मियों ने ली शपथ

दुर्ग क्षेत्र में 21 मई को "आतंकवाद विरोधी दिवस" पर कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार के नेतृत्व में आतंकवाद एवं हिंसा का विरोध करने तथा मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सद्भाव कायम करते हुए विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ ली। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर, अधीक्षण अभियंता द्वय श्री के.एस.भारती एवं श्री व्ही.आर.मौर्या, वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री वाई कोसरिया, कार्यपालन अभियंता श्री एस.एस.बघेल एवं श्रीमती सनीली चौहान, कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा, प्रशासनिक अधिकारी श्री सोहन लाल अग्रवाल सहित समस्त विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यों में दक्षता लाने लाइन परिचारकों का दोमाही प्रशिक्षण

दुर्ग एवं राजनांदगांव क्षेत्र के नवनियुक्त लाईन परिचारकों (संविदा) के तृतीय बैच हेतु ऊर्जा क्षेत्र कौशल विकास परिषद् (पी.एस.एस.सी.) नई दिल्ली द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ भिलाई स्थित संजय रुंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूषंस में 08 मई 2019 को किया गया। कार्यक्रम में विद्युत लाईनों एवं उपकरणों के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी सावधानियों आदि की जानकारी शामिल 80 प्रशिक्षणार्थियों को दो माह में दी जावेंगी।

प्रशिक्षण का शुभारंभ अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर एवं श्री टी.के.मेश्राम द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर श्री जामुलकर ने कहा कि कार्य में दक्षता लाने प्रशिक्षण जरुरी है। प्रशिक्षण उपरांत अर्जित आत्मविश्वास से सही सेवा देने में प्रशिक्षणार्थी सफल होंगे। इसी क्रम में श्री मेश्राम ने कहा कि बिजली के क्षेत्र में छोटी सी भी गलती खतरे में डाल सकती है। इसलिए सुरक्षा नियमों एवं तकनीकी जानकारियों के विषय में पूरा ज्ञान होना आवश्यक है।

कार्यक्रम में आभार व्यक्त करते हुए अधीक्षण अभियंता श्री के.एस.भारती ने कहा कि शिक्षा को परिमार्जित करने प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि लाईन परिचारक कंपनी के वो सिपाही है जिनसे उपभोक्ता सबसे ज्यादा संपर्क में रहते हैं, अतः कंपनी की स्वच्छ छवि बनाने में आपका बहुत योगदान होता है। संजय रुंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूषंस के सहायक निदेशक मो.साजिद अंसारी ने विद्युत कंपनी को प्रशिक्षण के आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए प्रशिक्षणार्थियों से अनुशासन बनाये रखने की अपील की। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता श्री एस.आर.बांधे, प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी एवं सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री ए.के.गुहा एवं संजय रुंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूषंस के प्रिंसिपल श्री संजीव श्रीवास्तव सहित दुर्ग एवं राजनांदगांव क्षेत्र के अन्य अधिकारी शामिल हुए।

संकीर्णता से निष्प्रभावी उपासना

चीन में एक बौद्ध भिक्षुणी रहती थी। उनके पास गौतम बुद्ध की एक सोने की मूर्ति थी, जिसकी वह दिन-रात पूजा करती थी। जब चीन में महाबुद्ध उत्सव की शुरुआत हुई तो वहां कई लोग आए। वहां भिक्षुणी भी बुद्ध की मूर्ति लेकर पहुंची। बौद्ध भिक्षुणी चाहती थी कि वह जो सामग्री अपने साथ लाई है, उसमें सिर्फ उसकी बुद्ध प्रतिमा की ही पूजा हो। उसने सोचा कि यदि मैं अपना धूप-दीप सबके सामने जलाऊंगी तो अन्य प्रतिमाएं भी उसकी सुगंध लूट लेंगी। ऐसी परिस्थिति से बचने के लिए उस भिक्षुणी ने बांस की एक पोंगली को स्वर्ण प्रतिमा के साथ सटाकर अपने धूप का धुआं रोक दिया। थोड़ी देर में स्वर्ण प्रतिमा का मुंह धुएं से काला हो गया। मुखाकृति काली होने के कारण दर्शकों को बौद्ध प्रतिमा कुरूप लगने लगी। ऐसे में उस प्रतिमा को लाने वाली और उसे पूजने वाली भिक्षुणी की हर जगह आलोचना होने लगी। इस स्थिति में वह खिन्न हो गई। भिक्षुणी ने आयोजक से शिकायत की। उन्होंने जांच-पड़ताल की और कहा, संकीर्णता एवं प्रदर्शन वृत्ति के कारण उपासना प्रभावहीन और आडम्बर मात्र रह जाती है। जीवन का फैलाव ही प्रगति का पहला कदम है।

विद्युत दुर्घटना पीड़ित परिवार को अनुग्रह राशि

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी बिलासपुर क्षेत्र द्वारा विद्युत दुर्घटना ग्रसित परिवारों एवं आश्रितों के हितों को ध्यान में रखकर सर्वोच्च प्राथमिकता से मुआवजा राशि प्रदाय करने की पहल की गई है, जिसके अंतर्गत बिलासपुर (नगर) वृत्त के नेहरू नगर संभाग कार्यालय में मृतक अजय कुमार केंवट (ठेका श्रमिक) के पिता श्री राजा राम केंवट को नगर विधायक माननीय श्री शैलेष पाण्डेय के हाथों 4 लाख रूपये की अनुग्रह राशि का चेक प्रदान किया गया।

इस अवसर पर श्री पाण्डेय ने कहा कि विद्युत दुर्घटना को रोकने के लिए विभाग पर्याप्त सुरक्षा के मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए अपने कर्मचारियों को सुविधाऐं प्रदान करें, ताकि किसी भी प्रकार की विद्युत दुर्घटना को टाला जा सके। सरकार प्रत्येक व्यक्ति के साथ है और सदैव रहेगा। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता सी.एम. बाजपेयी, सहायक अभियंता तृप्ति जांगड़े, अंशु वर्षणे, कनिष्ठ अभियंता संचारी सिंह चौहान, नरेश देवांगन, कैलाश देवांगन एवं कार्यालय के अजय खरे, शैलेष अवस्थी, सैय्यद सलीम, रमेश श्रीवास, ए.डी. जेम्स, श्वेता श्रीवास, उर्मिला जलतारे, भाविका गुप्ता, मंजूषा सोनी, सत्या तिवारी, संजय दुबे, एफ.एम. कुरैशी तथा ठेका श्रमिक के अलावा समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिलासपुर में कर्मियों की भावभीनी विदाई

बिलासपुर क्षेत्र से सेवानिवृत श्रीमती एस. नमिता, श्री बी.के. शर्मा, श्री नारायण नाथ योगी एवं श्री लखनलाल साहू को कार्यपालक निदेशक श्री भीम सिंह ने प्रशस्ति पत्र, प्रतिकात्मक भेंट शाल, श्रीफल देकर विदाई समारोह में उनके स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन हेतु कामना की। विदाई समारोह में अति. मुख्य अभियंता श्री के.के. भगत, अधीक्षण यंत्री श्री ए.के. श्रीवास्तव, श्री पी.के. कश्यप, वरिष्ठ विधि अधिकारी श्री बृजेन्द्र सिंह, कार्यपालन अभियंता श्री आर के कश्यप, श्री अमर चौधरी, श्री सुरेश जांगडे लेखाधिकारी श्री के.एल.मरकाम एवं कार्यालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारी व सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के परिजन बडी संख्या में उपस्थित थे।

देश को बरबाद करती मधुशाला

अब नहीं चाहिये मधुशाला।
रोटी, शिक्षा, धर्म, मजहब,
जीवन का मधु सोखती, छीनती निवाला।
अब नहीं चाहिये मधुशाला।
बच्चे, परिवार, पत्नी, मां, बाप, रिश्तों से बैर बढ़ाती,
नशा अपराधों की जननी, बोतल पर लिखा पढ़-अनपढ़
बेटी, बेटों को भेज पाठशाला। अब नहीं चाहिये मधुशाला।
जीवन का रस सुखाकर तड़फाती,
होश में जो नशा है, वो कहां मदहोश में,
अंधेरे मिटा फैला ऊजाला, अब नहीं चाहिये मधुशाला।
शोषण, अन्याय, भ्रष्टाचार, बदन पर कपड़े नहीं, पेट में भोजन नहीं
शराब एक धीमा जहर, मुंह सूखता, हाथ पैर कांपते
भाव छोड़ दुर्भाव लाती, अब नहीं चाहिये मधुशाला
छलका जीवन रस का प्याला देश को बरबाद करती
अब नहीं चाहिये मधुशाला।

केके पाठक
कार्या. सहा.श्रे-1
कार्या. महाप्रबंधक
(मानव संसाधन) वित.कं.

बिलासपुर में नवनियुक्त लाईन परिचारकों (संविदा) का कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

बिलासपुर क्षेत्र के अंतर्गत नवनियुक्त लाईन परिचारकों (संविदा) के लिए ऊर्जा क्षेत्र कौशल विकास परिषद् (पीएसएससी) नई दिल्ली के तत्वाधान में कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन 25 मार्च 2019 से 23 मई 2019 तक किया गया।

इस अवसर पर अति मुख्य अभियंता श्री के.के. भगत ने कहा कि लाईन परिचारक का कार्य महत्वपूर्ण होता है, उन्हें प्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ताओं से संपर्क स्थापित करना होता है तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण विद्युत की आपूर्ति प्रदान करने के साथ ही विद्युत दुर्घटना से बचने के लिए सुरक्षा उपकरणों एवं सजगता से कार्य करने की आवश्यकता होती है। समापन कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता ए.के. श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता आर.के. कश्यप एवं पीएसएससी के प्रशिक्षक एफ.एन. पांण्डेय, व्ही.के. केडिया व जे. चटर्जी तथा नवनियुक्त लाइन परिचारक (संविदा) एवं कार्यालय के अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

लैंगिक उत्पीड़न पर बिलासपुर में कार्यशाला संपन्न

बिलासपुर में 24 जून 19 को आयोजित कार्यशाला में मान. उच्च न्यायालय दिल्ली की अधिवक्ता सुश्री आयुष्मा अवस्थी द्वारा कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस कार्यशाला में पॉवर कंपनी के विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत् महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों को लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष अधिनियम 2013) विषय पर जागरूकता बनाये रखने हेतु विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही अधिकारों के रक्षा के लिए जागरूक रहने पर बल दिया गया। इस अवसर पर बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक, अधीक्षण अभियंता ए.के. श्रीवास्तव, कल्पना घाटे, मधु मिंज तथा सहायक अभियंता सोनल दवे, सहायक विधि अधिकारी मनीषा राम एवं बड़ी संख्या में पॉवर कंपनी के महिला अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजनांदगांव में लेखाधिकारी मोहम्मद यूनूस खान की भावभीनी विदाई

राजनांदगांव क्षेत्र के अकाउण्ट अफसर मोहम्मद यूनूष खान की सेवानिवृत्ति पर कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल द्वारा स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंटकर भावभीनी विदाई दी गई। उनके कार्यों की सराहना करते हुए श्री पटेल ने कहा कि इनकी अच्छी कार्यशैली को आत्मसात कर अन्य सेवारत कर्मियों को कंपनी के हित में बेहतर कार्य करने संकल्पित होना चाहिए। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम, अधीक्षण अभियंता श्री अविनाश सोनेकर, श्री आर.एन. याहके ने भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर सहायक प्रकाशन अधिकारी श्री डी.एस. मंडावी, श्री हेमराज साहू, श्री एस.के. बक्षी, श्रीमती सरस्वती अय्यर, श्री पी. के. साहू, श्री एस.के. मरठा, श्री प्रकाश सोनटापर एवं श्री डी. राव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का

संचालन कल्याण अधिकारी श्री अशोक पिल्लई ने किया।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में नवनियुक्त अभियंताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

अखिल विश्व गायत्री परिवार, रायपुर के तत्वावधान में एवं प्रबंध निदेशक पारेषण श्रीमती तृप्ति सिन्हा की प्रेरणा से 'आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी' विषय पर एक प्रस्तुतीकरण 7 जून को केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान रायपुर में किया गया, जिसमें डॉ. मानसी पत्तेवार, डी एन बी फैमिली मेडिसीन प्रभारी, गर्भ संस्कार प्रकोष्ठ छत्तीसगढ एवं उनके सहयोगी श्रीमती प्रेमलता चन्द्राकर द्वारा सम्बोधित किया।

अपने संबोधन में डॉ. पत्तेवार ने कहा संतान का निर्माण, गर्भकाल से ही आरंभ हो जाता है। मां की सोच, भावनाएं एव व्यवहार का गर्भस्थ शिशु पर गहरा प्रभाव पड़ता है। श्रीमती प्रेमलता चन्द्राकर ने भावी माता/गर्भवती के लिये स्वस्थ्य, सुखमय, प्रसन्न, आध्यात्मिक, वातावरण निर्माण एवं स्वस्थ्य दिनचर्या का पालन करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में श्री आरबी त्रिपाठी मुख्य अभियंता ने गर्भस्थ शिशु के स्वस्थ्य वातावरण के निर्माण हेतु टिप्स दिया। कार्यक्रम में श्री एसएस टिल्लू कार्यपालक निदेशक ने प्रशिक्षुओं को युग निर्माण में पहल करने उत्कृष्ट विचार हेतु प्रेरित किया।

प्रस्तुतीकरण में कार्यपालन अभियंता श्री एसपी सोनी, श्री मुकेश साहू, श्री सीताराम साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता श्री एके सोनी एवं संचालन श्री पीबी बंजारे सहायक अभियंता द्वारा किया गया।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में विदाई समारोह

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मुख्य अभियंता (प्रशि. अनु. एवं वि) कार्यालय से सेवानिवृत्त श्री सुरेश कुमार सेठानी को मुख्य अभियंता श्री आर.बी.त्रिपाठी द्वारा स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति प्रमाण पत्र से सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आई एल देवांगन, अधीक्षण अभियंता श्रीमती मधुलिका मिंज, कार्यपालन अभियंता सर्वश्री एस पी सोनी, सीताराम साहू सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री मुकेश साहू, कार्यपालन अभियंता द्वारा किया गया।

एबीवीटीपीएस में विदाई समारोह

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह जांजगीर से सेवानिवृत सर्वश्री एमआर साहू एवं रामप्रसाद चौहान को मुख्य अभियंता श्री पीपी मोडक ने स्मृति चिह्न, प्रशस्ति प्रमाण-पत्र से सम्मानित कर उनके सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री मोडक ने कहा कि संयंत्र में श्री साहू और श्री चौहान की सफलता के पीछे उनके परिवार का त्याग और परिश्रम को भी श्रेय जाता है। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री सुनील बिश्वास, अधीक्षण अभियंता सर्वश्री विनय कुमार दुबे, केसी अग्रवाल, रामजी सिंह और कार्यपालन अभियंता राजेंद्र कुमार अग्रवाल, नीरज वैश्य सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी एसके शर्मा ने किया।

एबीवीटीपीएस में मना विश्व पर्यावरण दिवस

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) जांजगीर में विश्व पर्यावरण दिवस में मुख्य अभियंता पीपी मोडक और श्रीमती अल्का मोडक ने फलदार व छायादार पौधे लगाए। इस अवसर पर श्री मोडक ने कहा कि ऑक्सीजन देने वाले पौधे जैसे बरगद, नीम और पीपल ज्यादा से ज्यादा लगाएं। हम निरंतर पर्यावरण को हरा-भरा बनाने का प्रयास करें, ऐसा नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजाबाबू कोसरे व सुनील बिश्वास ने पर्यावरण प्रदूषण रोकने, कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करने की सलाह दी। इस दौरान प्रदूषण की मार को रेखांकित करती फिल्म भी दिखाई गई।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नारा प्रतियोगिता में संजीव सारथी, एस.दास व मंजू मरकाम को एवं कविता प्रतियोगिता में अजय साहू, एस. दास, डॉ. इंदु साहू को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार मिला।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता आर. जांगड़े, अधीक्षण अभियंता केसी अग्रवाल, चीफ केमिस्ट आरके तिवारी, सीनियर केमिस्ट अभय मिश्रा, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी एसके शर्मा, कार्यपालन अभियंता नीरज वैश्य ने भागीदारी दी। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक श्री संजय झा ने किया।

एबीवीटीपीएस में मनाया गया विश्व योग दिवस

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह जांजगीर में विश्व योग दिवस पर योगाभ्यास किया गया। योगाभ्यास शिविर में एबीवीटीपीएस से सेवानिवृत्त निज सहायक व योग प्रशिक्षक श्री जीपी मिश्रा ने योग व ध्यान कराया। उन्होंने मोटापा घटाने, घुटनों व जोड़ों के दर्द, नेत्र विकार से मुक्ति पाने के लिए विभिन्न योग आसन बताए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति सुबह हो या शाम आधे घंटे का योग आसन करें तो उन्हें किसी भी किस्म की शारीरिक तकलीफ या बीमारी नहीं होगी। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी एसके शर्मा द्वारा किया गया।

एबीवीटीपीएस में टीबी व एड्स पर जनजागरूकता शिविर

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) जांजगीर में टीबी एवं एचआईवी एड्स पर 11 एवं 25 जून को जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें चिकित्साधिकारी डॉ.पी.के. पटेल द्वारा टीबी एवं एचआईवी-एड्स के कारणों, लक्षण एवं उपचार पर विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री अरविंद जांगड़े, अधीक्षण अभियंता रामजी सिंह, एसएस टेकाम, केसी अग्रवाल, आरएल ध्रुव, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. थामस व डॉ. इंदु साहू, कार्यपालन अभियंता आरआर साहू, एस जार्ज, चीफ केमिस्ट आरके तिवारी, सुरक्षा अधिकारी डी.तिर्की, सहायक अभियंता अमिताभ शुक्ला, सहायक प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत, सहायक विधि अधिकारी रमेश, सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) संजय झा समेत बड़ी संख्या में कालोनीवासी व ठेकाश्रमिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्यपालन अभियंता श्री एन.के. देवांगन ने किया।

एचटीपीएस में विश्व योग दिवस पर हुआ योगाभ्यास

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम के श्रम कल्याण केंद्र (जूनियर क्लब) में विश्व योग दिवसयोग प्रशिक्षक अनिल अग्रवाल और सूर्यकांता कश्यप के साथ मुख्य अभियंता राजेश वर्मा ने मां सरस्वती के छायाचित्र के सामने दीप प्रज्जवलित कर योगाभ्यास का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री वर्मा ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति व कर्मचारी ही अपना 100 प्रतिशत योगदान संस्थान को दे पाता है, अतः योग करिए और रोग दूर भगाइए, रोज करिए और जीते जाइए। योग शिविर का आयोजन व संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी पीआर खूंटे द्वारा किया गया।

एचटीपीएस से कर्मचारियों को भावभीनी विदाई

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम से मई माह में सेवानिवृत हुए सर्वश्री के.शिवप्रसाद, धरम सिंह ठाकुर, जुलियस कुजूर, नाहरदास, यशवंत कुमार सिंह, गोरेलाल चंद्रा, विजय कुमार दुबे, हरनारायण राठौर, प्रकाश कुमार उईके, कृष्णा कुमार सिंह, होरी लाल चंद्रा और लाभोप्रसाद चंद्रा को भावभीनी विदाई दी गई। मुख्य अभियंता एसपी चेलकर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुनील नायक, एआर कुम्भकार और पंकज कोले, संदीप श्रीवास्तव ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट कर उनके उज्जवल एवं सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम का संयोजन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी पीआर खूंटे एवं संचालन श्री रविंद्र साहू द्वारा किया गया।

बस्तर संभागीय मुख्यालय में नया फ्यूज कॉल सेन्टर का शुभारंभ

बस्तर संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में नया फ्यूज कॉल सेन्टर का शुभारंभ जगदलपुर के मान. विधायक श्री रेखचन्द जैन एवं महापौर श्री जतिन जायसवाल तथा श्री राजीव शर्मा, अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा उद्घाटित किया गया। इस कार्यक्रम में मान. विधायक श्री जैन ने कहा कि विद्युत विभाग के कर्मचारी पूर्ण निष्ठा से एवं विपरीत परिस्थितियों में लाईन मेन्टेनेन्स का कार्य करते हैं। नया फ्यूज कॉल सेन्टर निश्चित तौर पर एक बहुत अच्छी पहल है जिसका सीधा लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा तथा बिजली बन्द शिकायतों के निवारण में लगने वाले समय में कमी आएगी। आंधी-तूफान एवं बिजली चमकने से विद्युत लाईनों को नुकसान होता है, उस पर भी विद्युत कर्मी गिरते पानी में भी तथा तपती धूप में भी विद्युत लाईन सुधार करते हैं जिसके लिए निश्चित रूप से लाईन कर्मचारी सम्मान करने योग्य हैं।

अध्यक्ष की आसंदी से जगदलपुर शहर के प्रथम नागरिक मेयर श्री जतिन जायसवाल ने भी बिजली विभाग की भरपूर सराहना की और यह भी आश्वासन दिया कि नगर निगम की तरफ से जब भी बिजली विभाग को किसी भी प्रकार की मदद की आवश्यकता होगी तो नगर निगम, बिजली विभाग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगा।विशेष अतिथि श्री राजीव शर्मा ने भी विद्युत विभाग के कार्यों की भरपूर सराहना की।

मुख्य अभियंता, जगदलपुर क्षेत्र श्री हर्ष गौतम द्वारा बिजली विभाग के इस नये फ्यूज कॉल सेन्टर के अंतर्गत आने वाले अनेक क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। फ्यूज कॉल शिकायत दर्ज करने के लिए 1912 पर सीधे कॉल करने से दर्ज की गई शिकायतस्थल पर सुधार दल सुधार हेतु रवाना होगें। शहर के इस तीसरे फ्यूज कॉल सेन्टर के आरम्भ होने से कार्य के दबाव में कमी होगी, कार्य की गुणवत्ता में सुधार होगा। इस नये फ्यूज कॉल सेन्टर को नम्बर 07782-222124 से भी सम्पर्क किया जा सकता है, यह चौबीस घण्टे सातों दिन कार्यरत रहेगा।

जगदलपुर के तीनों फ्यूज कॉल सेन्टर हेतु तीन नये वाहनों को झण्डा दिखाकर फ्लैग-ऑफ किया गया। कार्यक्रम में पार्षद श्री राजेश चौधरी, श्री नरसिंह राव, श्रीमती लक्ष्मी कश्यप, श्रीमती अन्जु राय, श्री आलोक अवस्थी तथा नगर के गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण एवं अधीक्षण अभियंता श्री आरके ठाकुर, श्री आरके मिश्रा एवं अधिकारी कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कीर्ति तिर्की द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री प्रशान्त बानते, सहायक अभियंता द्वारा किया गया।

फैनी तूफान से बाधित विद्युत आपूर्ति न्यूनतम समय में रिस्टोर

प्रदेशभर में आंधी-तूफान का व्यापक रहा। इसी क्रम में 03 मई 19 को आये फेनी तूफान का व्यापक प्रभाव प्रदेश के अनेक जिलों सहित रायपुर शहर की बिजली व्यवस्था पर भी पड़ा। तेज गति से चले फेनी तूफान से अनेक स्थानों पर उखड़े पेड़, टूटी डंगालिया और फ्लेक्स-होर्डिग्स के गिरने से विद्युत लाईनें और खम्भे बड़ी संख्या में क्षतिग्रस्त हुये। ऐसी भीषण प्राकृतिक आपदा से उत्पन्न बिजली व्यवधान की बहाली के लिये विद्युत कर्मी युद्धस्तर पर जुटे रहे, जिससे अनेक क्षेत्रों की बाधित विद्युत आपूर्ति को न्यूनतम समय में रिस्टोर करने में बड़ी कामयाबी मिली। पॉवर कम्पनीज अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने फेनी चक्रवर्ती तूफान के आने की पूर्व सूचना मिलने पर बिजली अमला को सतर्क रहने और आवश्यक सामग्रियों के साथ तैयारी रखने निर्देशित किया था।

फैनी तूफान की तेज गति से प्रभावित विद्युत प्रणालियों को सुधारने के लिये यही रणनीति अपनाई गई कि सर्वप्रथम उन क्षेत्रों की क्षतिग्रस्त प्रणालियों को दुरूस्त किया जाये जहां कि ज्यादा रहवासी प्रभावित हुये हैं, ताकि न्यूनतम समय में प्रणाली दुरूस्तीकरण के कार्य से ज्यादा से ज्यादा रहवासियों को एकसाथ बिजली व्यवधान की परेशानी से निजात मिल सके।

ऐसे प्राकृतिक विपदा के दौरान उपभोक्ताओं से विद्युत कर्मियों को बेहतर सहयोग मिला। भविष्य में भी उपभोक्ताओं से ऐसे ही सहयोग किये जाने की अपील करते हुये उन्होंने कहा कि विद्युत कर्मियों को भीषण आंधी-तूफान, तूज धूप और बारिश जैसे विपरीत परिस्थितियों में कार्य करने की बाध्यता होती है। ऐसे समय में उपभोक्ताओं का सहयोग विद्युत कर्मियों के लिये सबसे बड़ा सम्बल होता है।

फोरकोर केबल और डमी टॉवर से जल्द बिजली बहाल

पॉवर कम्पनीज द्वारा अब विद्युत व्यवधानों को न्यूनतम समय में रिस्टोर करने विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया है। आंधी-तूफान से क्षतिग्रस्त लाईनों, खम्बों को तत्काल मरम्मत करना संभव नहीं होता, अतः ऐसे कार्यों के लिये वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। कंपनी ने फोरकोर केबल और डमी टॉवर के माध्यम से क्षतिग्रस्त लाईनों और खम्भों के स्थान पर फोरकोर केबल लगाने और डमी टॉवर को स्थापित करने कारगर पहल की है। इसके अन्तर्गत जल्द से जल्द बिजली बहाल करने दो खम्भों के बीच सबसे पहले फोरकोर केबल को जोड़ा जाता है। इसी तरह टूटे खम्बे के स्थान पर डमी टॉवर खड़ा कर दिया जाता है। बाद में क्षतिग्रस्त तार एवं खम्बे की मरम्मत की जाती है। यही वजह है कि बिजली व्यवधान को रिस्टोर करने के समय में कमी आई है।

बीते पांच माह के दौरान प्रदेश में बेहतर रही विद्युत आपूर्ति की स्थिति

गत् वर्ष की तुलना में आधे से भी कम हुए ब्रेकडाउन-शटडाउन-शैलेन्द्र शुक्ला

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कम्पनी द्वारा प्रदेश में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाये रखने भरसक प्रयास किये जा रहे हैं। फलस्वरूप ब्रेकडाउन एवं शटडाउन की स्थिति गत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष 21 प्रतिशत कम दर्ज हुई। उक्त जानकारी पॉवर कम्पनीज के चेयरमेन श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि विद्युत की वास्तविक स्थिति का अध्ययन-विश्लेषण करने हेतु 11 के.व्ही. एवं 33 के.व्ही. फीडरों के माहवारी आंकड़े प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से मंगाये गये, जिससे यह तथ्य सामने आया है कि बीते वर्ष के माह जनवरी से मई 2018 (पांच माह) के तुलना में चालू वर्ष के जनवरी से मई 2019 (पांच माह) के बीच हुये ब्रेकडाउन, शटडाउन आधे से भी कम हैं।

अंबिकापुर क्षेत्र में बेहतर कार्ययोजना से शटडाउन-ब्रेकडाउन लेने का ही सुपरिणाम यह रहा कि गत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष बिजली बंद होने की कुल अवधि में 34 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई। सघन वन जैसी बाधायें नहीं होती तो बिजली बिजली बंद होने की अवधि और भी कम होती। उक्त क्षेत्रों में संचालित 11 के.व्ही. फीडरों में भी इस वर्ष न्यूनतम ब्रेकडाउन-शटडाउन का रिकार्ड दर्ज किया गया, जिससे बिजली बंद रहने की अवधि में 29 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

चेयरमेन श्री शुक्ला ने जानकारी दी कि रायपुर सिटी सर्किल में 33 के.व्ही. लाईन के 56 फीडर तथा 11 के.व्ही. लाईन के 232 फीडर है तथा सिटी सर्किल 2 में 33 के.व्ही. लाईन के 79 फीडर एवं 11 के.व्ही. लाईन के 99 फीडर है जिनके माध्यम से रायपुर संभाग ईस्ट, वेस्ट, साउथ, सेन्ट्रल, उरला, सिलतरा के अंतर्गत आने वाले उपभोक्ताओं को विद्युत की आपूर्ति की जाती है। सिटी सर्किल एक के फीडरों में बीते पांच माह (जनवरी से मई 19) के दौरान 271 बार शटडाउन-ब्रेकडाउन लिया गया जिससे 795 घंटे बिजली बंद रही जबकि गत् वर्ष 2018 में जनवरी से मई माह के दौरान 421 बार शटडाउन-ब्रेकडाउन लिया गया जिससे 1344 घण्टे बिजली बंद रही।

इसी तरह रायपुर ओ.एंड एम. सर्किल के अन्तर्गत रायपुर, कुरूद, राजिम, धमतरी में 33 के.व्ही. लाईन के 106 फीडर है जिनमें गत् वर्ष जनवरी से मई 2018 के दौरान 574 बार शटडाउन-ब्रेकडाउन लिया गया जिससे 911 घंटे बिजली गुल रही जबकि इसकी तुलना में चालू वर्ष के दौरान जनवरी से मई 2019 के पांच माह की अवधि में 459 बार शटडाउन-ब्रेकडाउन लिया गया, फलस्वरूप पांच माह में केवल 670 घण्टे बिजली बंद रही। इन तथ्यों से यह उजागर होता है कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज द्वारा गत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष उत्कृष्ट कार्य-निष्पत्ति का प्रदर्शन किया गया जिससे पिछले साल की तुलना में काफी बेहतर स्थिति रहीं।

वर्षा पूर्व विद्युत प्रणालियों को दुरुस्त करने में जुटा विद्युत विभाग

50 डिग्री तापमान के पार तपते खम्बों पर कार्यरत हैं, विद्युत कर्मी – श्री शुक्ला

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी द्वारा प्रदेशभर में विद्युत प्रणालियों के मरम्मत एवं संधारण का कार्य इन दिनों तेजी से किया जा रहा है। वर्षा पूर्व विद्युत प्रणालियों को दुरूस्त करने में जुटे विद्युत विभाग के कर्मचारी विपरीत परिस्थितियों में भी लगातार संचारण-संधारण कार्य में जुटे हुये हैं। बरसात के पहले विद्युत प्रणालियों के संचारण-संधारण से तेज बारीष, आंधी के समय विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहेगी और वर्षाकाल में संभावित विद्युत दुर्घटनाओं पर भी रोक लगेगी। प्रदेश में जारी इस अभियान के संबंध में पॉवर कंपनीज अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने बताया कि 50 डिग्री तापमान के पार तपते खम्बों, लाईनों में चढ़कर ऊंचाईयों पर कार्यरत विद्युत कर्मियों के लिये यही तपते खम्बे, तार सहारा भी बनते हैं। जान हथेली पर लेकर जोखिम भरे कार्यों को दूसरों के घर में रोशनी पहुंचाने के लिये पूर्ण करते विद्युत कर्मियों का कार्य देश की सुरक्षा में लगे जवानों के जज्बे से कम नहीं है।

संचारण-संधारण कार्य के अन्तर्गत पुराने क्षतिग्रस्त लाईनों, खम्बों, ट्रांसफार्मर को बदलने व्यवस्थित करने तथा विद्युत प्रणालियों के करीब आ रहे वृक्षों की कटाई-छंटाई एवं अन्य व्यवधानों के निराकरण के कार्य किये जा रहे हैं। पॉवर कंपनी द्वारा मानसून पूर्व मेंटेनेंस के कार्य को जून माह के प्रथम पखवाड़े तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। आपरेशन-मेंटेनेंस के कार्यों को चालू विद्युत प्रणाली में नहीं किया जा सकता है, अतः उपभोक्ताओं को पूर्व सूचना देकर कार्य के समय न्यूनतम समय के लिये बिजली बंद रखी जाती है। यह बताते हुये उन्होंने कहा कि भीषण तूफानी गरमी में बिजली जाने से उपभोक्ताओं को अगर सौ प्रतिशत परेशानी होती है तो निश्चित रूप से बिजली कर्मियों को पांच सौ प्रतिशत होती है।

श्री शुक्ला ने आम उपभोक्ताओं से मेंटेनेंस कार्य में सहयोग प्रदान करने की अपील करते हुये कहा कि वो खंबा जो दोपहर के समय 50 डिग्री तापमान के पार तप रहा होता है, वही खम्बा ऊंचाईयों पर कार्यरत लाइन कर्मचरियों का सहारा बनता है। ऐसे आग के गोले पर घंटों खड़े होकर बाधित लाईन को विद्युत कर्मी सुधार कर चालू करते हैं। हम सब ऐसे पोस्ट को वाटॅसअप आदि पर शेयर करते हैं जिसमें भरी दोपहरी में आये डिलीवरी मैन को डिलीवरी लेने से पहले पानी पिलाने की बात की जाती है। वहीं लाईट जाने पर बिजली वालों को गाली देने में देरी नहीं की जाती। ऐसी गालियां अथवा विद्युत कर्मियों से दुर्व्यहार तपते खम्बे से भी ज्यादा पीड़ादायक होते हैं। अगर देश की सुरक्षा में लगे जवान के जज्बे को हम समझते हैं तो बिजली वालों के जज्बे को क्यों नहीं समझ पाते। दिन-रात, सुबह-शाम बिजली कर्मी उपभोक्ताओं की सेवा सुविधा में लगे होते हैं, अतः अनुरोध है विद्युत कर्मियों की पीड़ा को भी समझें, वे भी इंसान है आप जैसे।

आंधी-तूफान के कारण प्रदेश के अनेक क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बाधित

विषैले सांप बिच्छू का सामना करते हुये वनांचलों की बिजली व्यवस्था दुरूस्त करने में जुटे विद्युत कर्मी – शैलेन्द्र शुक्ला

आंधी-तूफान, तेज वर्षा और बिजली की चमक आज भी प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में शाम से शुरु हुई, जिसका असर विद्युत प्रणालियों पर पड़ा। कहीं पेड़ गिरने से इंसुलेटर, खम्बे, तार टूटे, तो कहीं बार बार ट्रिपिंग की स्थिति निर्मित हुई। विगत दो-तीन दिनों से बिगड़े मौसम से बदलते हालात को दृष्टिगत रखते हुये छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी द्वारा सभी मैदानी अधिकारियों/कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थिति से निपटने के लिये पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिये गये हैं, जिससे विद्युत प्रणालियों में आये तकनीकी व्यवधान को शीघ्रता से दूर करने में और न्यूनतम समय में बिजली बहाल करने में विद्युत कर्मियों को सफलता मिली है।

पॉवर कंपनी अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला लगातार मैदानी अधिकारियों के सम्पर्क में है। वाटॅसएप ग्रुप के माध्यम से सचित्र जानकारी तूफान प्रभावित क्षेत्रों की वे ले रहे हैं।

आंधी तूफान का व्यापक प्रभाव राजनांदगांव, डोंगरगढ़, खैरागढ़, कोरबा, जमनीपाली, मुंगेली, देवभोग में हुआ जिसके कारण विद्युत आपूर्ति बाधित हुई। विद्युत कर्मियों ने अपनी कार्यकुशलता और हौसला के बूते घने जंगलों के बीच तार खींचने, खम्बा खड़ा करने का कार्य न केवल प्राकृतिक आपदा के बीच अपितु विषैली सांप बिच्छू का सामना करते हुये किया, जिससे न्यूनतम समय में बिजली आपूर्ति हो सकी। प्राकतिक आपदा के ऐसे दौर में बिजली की आवाजाही से उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी के लिये पॉवर कंपनी खेद व्यक्त करती है और सहयोग करने की अपील करती है।

ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा आपातकालीन स्थिति में "इमरजेंसी रिस्टोरेशन सिस्टम" का इस्तेमाल

लाईनों को बंद किये बिना अतिरिक्त टॉवर खड़ा करने का कार्य प्रगति पर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा आपातकालीन स्थिति में अस्थाई रूप से पारेषण लाईन स्थापित करने के लिये आपातकालीन बहाली प्रणाली (इमरजेंसी रिस्टोरेशन सिस्टम) का बेहतरीन उपयोग किया जा रहा है। अमेरिका से आयातित यह प्रणाली (टॉवर) एल्यूमिनियम स्ट्रक्चर का है। आपातकालीन स्थिति में पारेषण लाईन में अस्थाई रूप से स्थापित कर विद्युत व्यवस्था को कम समय में पूर्ण करके क्रियाशील करने की दृष्टि से यह अत्यन्त उपयोगी है। इसके माध्यम से डबल सर्किट 220 के.व्ही. गुरूर-बारसूर पारेषण लाईन की पुनर्संरचना संबंधित कार्य को बिना लोडशेडिंग के पूर्ण किया जा रहा है। उक्त जानकारी ट्रांसमिशन कंपनी की एमडी श्रीमती तृप्ति सिन्हा ने दी।

उन्होंने बताया कि इस कार्य को पूर्ण करने के लिये अतिरिक्त टॉवर खड़ा करने की आवश्यकता थी, जिसके लिये 220 के.व्ही गुरूर-बारसूर पारेषण लाईन की दोनों सर्किट को बंद करने की जरूरत थी, जिससे बस्तर संभाग के जगदलपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, बैलाडीला, बचेली एवं इस क्षेत्र के रेल्वे की विद्युत प्रदाय प्रणाली प्रभावित होती, किन्तु "इमरजेंसी रिस्टोरेशन सिस्टम" के द्वारा बस्तर क्षेत्र को विद्युत आपूर्ति करने वाली उक्त लाईनों को बंद किये बिना अतिरिक्त टॉवर खड़ा करने का कार्य प्रगति पर है।

विदित हो कि भीषण गर्मी को देखते हुये पारेषण लाईन की दोनों सर्किट को बंद करना संभव नहीं था, वहीं दूसरी ओर वर्षाकाल के पूर्व गुरूर-बारसूर पारेषण लाईन के टॉवर क्रमांक 311 एवं 312 के मध्य एक अतिरिक्त टॉवर खड़ा किया जाना आवश्यक था। ऐसे विकट परिस्थिति में ट्रांसमिशन कंपनी में उपलब्ध अमेरिका से आयातित एल्यूमिनियम स्ट्रक्चर "इमरजेंसी रिस्टोरेशन सिस्टम" का उपयोग किया जा रहा है।

इसके लिये ट्रांसमिशन कंपनी के एक्सपर्ट इंजीनियर्स के साथ दक्ष कर्मियों ने चालू लाईन से 50 फीट दूरी पर इस वैकल्पिक टॉवर को खड़ा किया और फिर 220 केव्ही गुरूर-बारसूर के एक सर्किट को इसमें स्थापित कर दिया, जिससे विद्युत प्रवाह में किसी प्रकार की रूकावट नहीं आई और ग्राम पोटगांव (चरामा) में स्थित तालाब के निकट पारेषण लाईन की ऊंचाई सुरक्षित दूरी तक रखने के लिये नया स्थायी टॉवर खड़ा करने का कार्य प्रगति पर है।

पॉवर कंपनी के ईडी श्री टिल्लू सहित कर्मियों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के डंगनिया स्थित मुख्यालय में कार्यपालक निदेशक श्री एस.एस. टिल्लू सहित सेवानिवृत हुए कर्मियों की सेवानिवृति पर स्मृतिचिन्ह व प्रमाण प्रदान कर 29 जून को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती तृप्ति सिन्हा, डायरेक्टर श्री जी.सी. मुखर्जी, श्री ओ.सी. कपिला, श्री अजय दुबे, ईडी श्री एन.के. बिजौरा, मख्य अभियंता श्री एस.एम.गोवर्धन ने कार्यपालक निदेशक श्री एस.एस. टिल्लूजी का पुष्पगुच्छ से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्रीमती तृप्ति सिन्हा ने कहा कि तकनीकी कार्यों के साथ ही धार्मिक, सामाजिक कार्यों में श्री टिल्लूजी की सक्रियता अनुकरणीय है। इसी क्रम में विदा लेते हुए श्री टिल्लू ने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और हिम्मत नहीं हारने की भावना को सफलता का मूलमंत्र बताया। डायरेक्टर श्री कपिला ने सेवानिवृतजनों के सुखमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि सेवानिवृतजनों का पॉवर कंपनी के विकास में बहुमूल्य योगदान रहा है।

सेवानिवृतजनों में शामिल श्री एस.एन. मूदड़ा, श्रीमती सपना उपाध्याय, श्रीमती शोभा पोतवार, सर्वश्री सुंदर सिंह वर्मा, दशरथ पटेल, दामोदर प्रसाद सोनी, एस.के.ताम्रकार, जे.डी. साहू, जी.व्ही.नारायण, रामखिलावन वर्डे, आर.आर.मण्डावी, फत्तेलाल मड़रिया, दयाराम देवांगन, के.सी.घोष, एफ.पी. गेवल, व्ही.डी.चन्द्रा, आर.के.जयसवाल, मनीराम यादव, एस.एल.पटेल, निजाम मोहम्मद, नरसिंह कनवर, रामलाल वर्मा, केजू राम, दशरथ प्रसाद कोल, बिम्भरदास मानिकपुरी, सुब्रत दास गुप्ता, गोविंद नारायण शेण्डे, चत्ता लाल श्रीवास, एस. दासगुप्ता, प्रकाश बावली वाले, वाय.पी. सोनी, राजेष खरे, गोविन्द नारायण शेन्डे को सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने सेवाकाल में अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री विजय मिश्रा तथा श्री गोविन्द पटेल ने किया।

कुर्यात सदा मंगलम

प्रेम संग पूर्णिमा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (राज्य भार प्रेषण केन्द्र) कार्यालय में कार्यरत सहायक अभियंता श्री प्रेम कुमार जायसवाल सुपुत्र स्व. श्री रेखराम जायसवाल का शुभ विवाह मुंगेली निवासी श्री संतोष जायसवाल की सुपुत्री सौ.कां.पूर्णिमा के साथ 14 मई को बिलासपुर में सानंद संपन्न हुआ। **बधाई...**

आकाश संग टीना

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी रायपुर के वरिष्ठ लेखधिकारी-एक कार्यालय में कार्यरत श्री सुरेश कुमार बुधवानी कार्यालय सहायक श्रेणी दो के सुपुत्र चि आकाश का शुभ विवाह रायपुर निवासी सौ.का. टीना सुपुत्री श्री राजकुमार चंदनानी के संग 15 अप्रैल 2019 को सानंद संपन्न हुआ। **बधाई...**

प्रणीत संग साक्षी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी जगदलपुर में पदस्थ मुख्य अभियंता श्री हर्ष गौतम के सुपुत्र चि. प्रणीत का शुभ विवाह ..... निवासी श्री राजीव वैद्य की सुपुत्री सौ.कां.साक्षी के साथ 07 मई को रायपुर में सानंद संपन्न हुआ। **बधाई...**

हमारे गौरव

लखपति सिन्दूर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में कार्यरत श्री लखपति सिन्दूर ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर लिफ्टर्स एसोसिएशन द्वारा 19 मई को आयोजित पॉवर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप 2018-19 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। श्री सिन्दूर ने मास्टर पॉवर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप के 75 किलोग्राम वर्ग स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त कर पॉवर कंपनी का नाम रौशन किया। स्पर्धा में श्री सिन्दूर कुल 92.5 किलोग्राम बेंच प्रेस लिफ्टिंग में सफल रहे। **बधाई...**

कु. कशिश यादव

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में कार्यरत जगतपाल यादव, भृत्य की पुत्री कुमारी कशिश यादव ने वर्ष 2018-19 में कक्षा छठवीं में 94.12 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। कु. कशिश मानवसरोवर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगिरी जिला दुर्ग की छात्रा है। **बधाई...**

~~भीतरी दुर्गुणों को बाहर निकालें~~

स्वामी

ऐसी सोच से

आईना बोलता है

विजय मिश्रा
संपादक

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी मर्यादित डंगनिया, रायपुर

फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702 | website : www.cspc.co.in

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक मुद्रण/प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है - मुद्रक

प्रिंटक स्केनर मिश्राबाड़ा, तात्यापारा, रायपुर 88899 14459

बिजली बिल के पैसे नहीं थे तो हल्के उजाले में पढ़ते रहे शास्त्री

ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल रहे पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के जीवनकाल में ऐसी-ऐसी घटनाएं घटित हुई, जिन्हें यदि आज की पीढ़ी को सुनाया जाए, तो वे आश्चर्य करेंगी। ऐसा ही एक किस्सा है, जब केन्द्र सरकार में ताकतवर मंत्री रहे शास्त्रीजी के पास अपने घर का बिजली बिल चुकाने के पैसे नहीं थे, इसलिए उन्होंने रात होने के पहले शाम के हल्के उजाले में पढ़ने की दिनचर्या तय की थी।

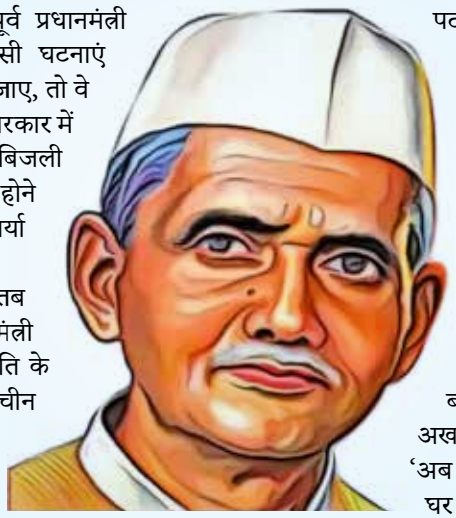

किस्सा सन् 1963 का है। लालबहादुर शास्त्री तब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार में गृह मंत्री थे। इस दौरान देशवासियों में नेहरू की चीन नीति के प्रति नाराजगी थी, क्योंकि भारत को 1962 में चीन से हुए युद्ध में हार का सामना करना पड़ा था। देशवासी इसे नेहरू की नाकामी मान रहे थे। देशवासियों का ध्यान इस ओर से हटाने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.कामराज ने एक योजना बनाई। उन्होंने नेहरू को केंद्र सरकार के कई ताकतवर मंत्रियों को पद से हटाने का सुझाव दिया और कारण बताया कि इन्हें पार्टी का संगठनात्मक ढांचा मजबूत करने के लिए सरकार से हटाकर पार्टी के काम में लगाया जा रहा है। हालात ऐसे बनाए गए कि कई कद्दावर मंत्रियों को इस्तीफा देना पड़ा। इनमें लालबहादुर शास्त्री का भी नाम था।

ईमानदार शास्त्री इससे नाराज तो थे, लेकिन निष्ठापूर्वक नए काम में जुट गए। इसी बीच एक वरिष्ठ पत्रकार एक दिन शाम को शास्त्रीजी से मिलने उनके बंगले पर गए, तो उन्होंने देखा कि शाम का हल्का अंधेरा होने के बावजूद शास्त्रीजी बरामदे में बिना लाइट जलाए अखबार पढ़ रहे हैं। कारण पूछने पर शास्त्री जी बोले- 'अब मैं मंत्री नहीं, इसलिए नैतिकता कहती है कि अपने घर का बिजली बिल मुझे भरना चाहिए। चूकि मेरे पास बिल भरने के पैसे नहीं, इसलिए अंधेरा होने से पहले ही पढ़ने-लिखने का काम निपटा लेता हूं।

₹7!

The Nobel Laureate Prof. C. V. Raman after retirement wished to open a Research Institute in Bangalore. So he gave an advertisement in the news papers for recruiting three physicists.

Lots of eager Scientists applied thinking that even if they were not selected, they would at least get an opportunity to meet the Nobel Laureate.

In the preliminary selection, five candidates were selected and the final interview was to be taken by Prof. C V Raman himself.

Three were selected out of the five.

Next day Prof. Raman was taking a walk and found one young man waiting to meet him.

He realized that it was the same man who was not selected.

The Prof. asked him what was the problem and he replied that there was no problem at all, but after finishing the interview the office had paid him ₹7 extra than his claim and he wanted to return it.

But because the accounts had closed, they could not take back the amount and asked him to enjoy.

The man said that it is not right for him to accept the money which did not belong to him.

Prof. C V Raman told him so you wish to return the ₹7 and he took the money from him.

After going few steps forward the Prof. asked the young man to meet him the next day at 10.30 am. The man was happy that he would get an opportunity to meet the great man again. When he met the Prof. next day the Nobel Laureate told the young man "son, you failed in the Physics test but you have passed the honesty test.

So I have created another post for you".

The young man was surprised and very happy to join. Later on he too became a Nobel Laureate in 1983. This young man was *Prof. Subrahmanyan Chandrashekhar*(US Citizen of Indian Origin)

He has written a book on how the seven rupees changed his life.

This was how honesty made a great scientist. What is lacking in talent can most often be made up for, with hard work, guidance and help from others, but what is lacking in character and values, can't be made up for with anything ever.

Which is why Einstein said -

Dont try to be a man of success, but always be a man of value

ईर्ष्या-द्वेष के बोझ

एक बार एक महात्मा ने अपने शिष्यों से अनुरोध किया कि वे कल से प्रवचन में आते समय अपने साथ एक थैली में बड़े आलू लेकर आयें। उन आलुओं पर उस व्यक्ति का नाम लिखा होना चाहिये जिससे वे ईर्ष्या करते हैं। जो व्यक्ति जितने व्यक्तियों से घृणा करता हो, वह उतने आलू लेकर आये। अगले दिन सभी लोग आलू लेकर आये। किसी के पास चार आलू थे, किसी के पास छह या आठ, और प्रत्येक आलू पर उस व्यक्ति का नाम लिखा था जिससे वे नफरत करते थे।

अब महात्माजी ने कहा, 'अगले सात दिनों तक ये आलू आप सदैव अपने साथ रखें। जाहं भी जायें, खाते-पीते, सोते-जागते, ये आलू आप सदैव अपने साथ रखे।' शिष्यों को कुछ समझ में नहीं आया कि महात्मा जी क्या चाहते हैं, लेकिन महात्मा के आदेश का पालन उन्होंने अक्षरशः किया। दो-तीन दिनों के बाद ही शिष्यों को परेशानी होने लगी। जिनके आलू ज्यादा थे, वे बड़े कष्ट में थे। जैसे-तैसे उन्होंने सात दिन बिताये और सबने महात्मा की शरण ली। महात्मा ने कहा, 'अब अपने-अपने आलू की थैलियां निकाल कर रख दें।' शिष्यों ने चैन की सांस ली।

महात्मा ने पूछा, 'विगत सात दिनों का अनुभव कैसा रहा ?' शिष्यों ने महात्मा से अपनी आपबीती सुनाई, आलुओं की बदबू से होने वाली परेशानी के बारे में बताया। सभी ने कहा कि आलू की थैलियां अपने पास से हटाकर अब बड़ा हल्का महसूस हो रहा है।

महात्मा ने कहा, 'यह सब मैंने आपको एक शिक्षा देने के लिए किया था। अब मात्र सात दिनों में ही आपको ये आलू बोझ लगने लगे, तब सोचिये कि आप जिन व्यक्तियों से ईर्ष्या या नफरत करते हैं, उनका कितना बोझ आपके मन पर होता होगा और वह बोझ आप लोग तमाम जिन्दगी ढोते रहते हैं। सोचिये कि आपके मन और दिमाग की इस ईर्ष्या के बोझ से क्या हालत होती होगी? यह ईर्ष्या आपके मन पर अनावश्यक बोझ डालती है, उसके कारण मन में भी बदबू भर जाती है, ठीक उन आलुओं की तरह। इसलिए अपने मन से इन भावनाओं को निकाल दें।'

यदि आप किसी से प्यार नहीं कर सकते, तो कम से कम नफरत और ईर्ष्या मत कीजिये। तभी मन स्वच्छ, निर्मल और हल्का बना रहेगा। वरना जीवन भर इनको ढोते-ढोते आपका मन और आपकी मानसिकता, दोनों बीमार हो जाएंगे।

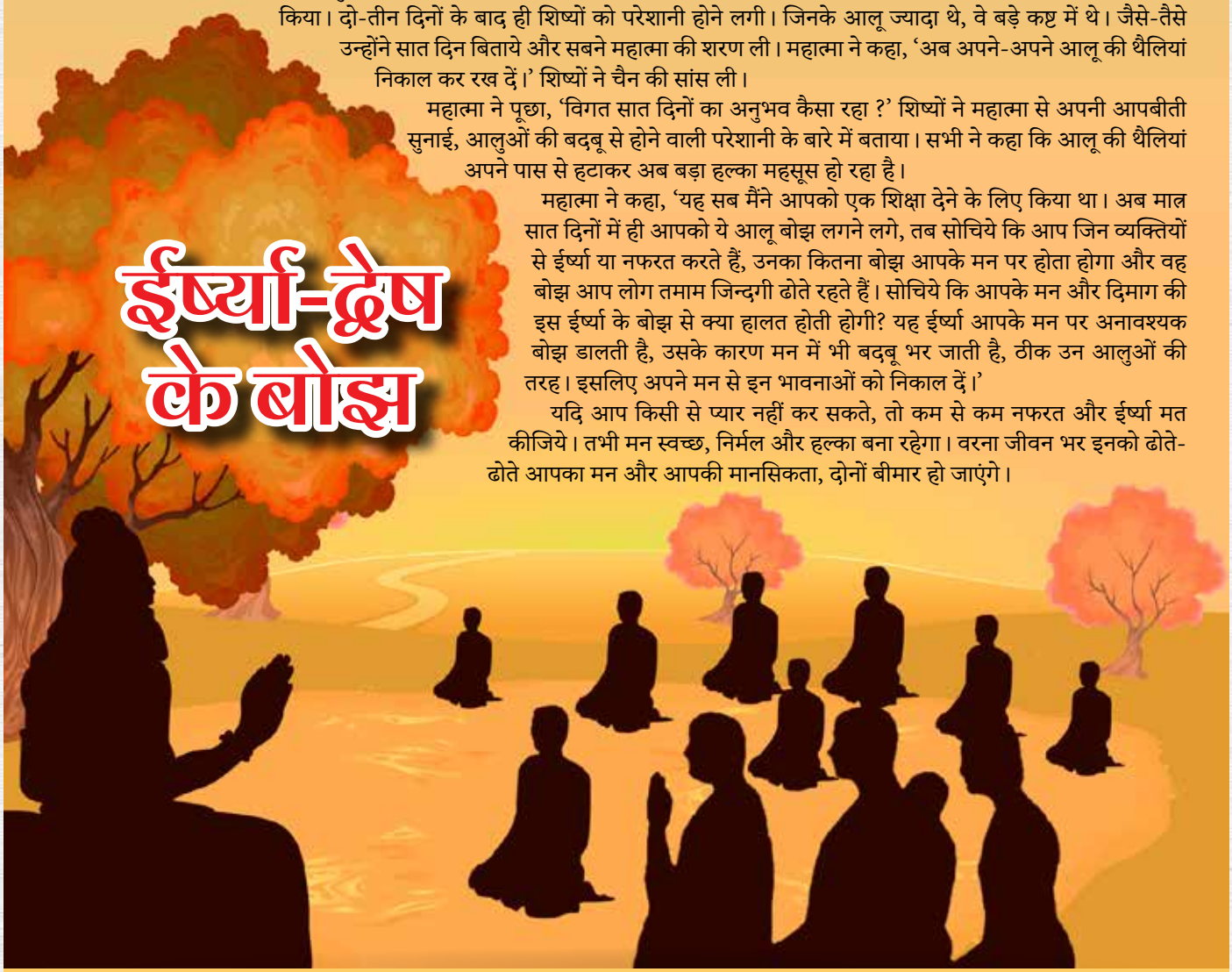

कठिनाइयों में छिपे सबक को समझें

इस दुनिया में शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसके जीवन में कठिनाइयां न हों लेकिन हर कठिनाई के साथ एक अच्छा सबक छिपा होता है। इतिहास गवाह है कि जिस व्यक्ति ने अपनी कठिनाइयों का सामना करके उनसे पार पाया है वहां आगे जाकर सफल हुआ है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि अगर कोई शख्स आपकी सच्ची मदद कर सकता है तो वो हैं खुद आप। ठंडे दिमाग से काम लीजिए और फिर खुद आप ही अपनी समस्या का समाधान कर लेंगे। किसी ने सच ही कहा है कि हमारी जिंदगी एक क्रिकेट खेल की तरह है और क्रिकेट की बॉल कठिनाइयों की तरह। अगर आपको रन बनाने है तो बॉल का सामना तो करना ही होगा। बॉल से डरिए नहीं बल्कि आगे बढ़कर एक लंबा छक्का लगाइए। आसान काम तो हर कोई कर लेता है, मजा तो तब आता है जब आप किसी बहुत कठिन काम को सफलतापूर्वक पूरा करें। जब कठिनाई आये तो यहीं सोचे कि आसान काम तो हर कोई कर लेता है, मुझे तो कठिनाइयों को हराना है। हमेशा याद रखे हर कठिनाई के पीछे बहुत सारे बड़े अवसर छिपे होते हैं। कई बार परेशानी आने पर हमारा दिमाग सहीं से काम नहीं कर पाता, तो अपने करीबी मित्र या परिवार के लोगों से समस्या शेयर करने में झिझकना नहीं चाहिए। क्या पता आपकी परेशानी भी बहुत छोटी हो जिसका हल आपके दिमाग में नहीं आ रहा हो।